हरिभूमि

जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 27 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 29 .0 डिग्री

11 सामाजिक धार्मिक संस्थाओं ने भी निभाई...

12 हरियाली तीज मौज मस्ती का नहीं, भोले पार्वती के..

खबर संक्षेप

मकान तथा दुकान से नगदी व जेवर चोरी

जींद। अलग-अलग स्थानों पर चोरों ने मकान तथा दुकान के ताले तोड़ नगदी समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। सफीदों निवासी जयसिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शुक्रवार रात चोरों ने दुकान का ताला तोड़ कर 3700 की नगदी तथा सामान को चोरी कर लिया। वहीं गांव डिडवाडा निवासी कमलेश ने बताया कि रात को चोरों ने उसके घर से सोना, चांदी के जेवरात को चोरी कर लिया।

रंजिशन हमला करने पर 13 लोग नामजद

जींद। गांव करसिंधु में रंजिशन मारपीट करने पर उचाना थाना पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव करसिंधु निवासी सुदेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया की उनकी गांव के ही धोला परिवार से रंजिश चली आ रही है। उसी रंजिश के चलते धोला परिवार ने उसके परिवार पर हमला कर दिया। उसके परिवार के पांच लोग घायल हो गए।

संदिग्ध हालात में नाबालिग गायब

जींद। रोहतक रोड बाईपास से नाबालिग के संदिग्ध हालात में गायब होने शहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। गांव लिजवाना खुर्द निवासी एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ रोहतक रोड बाईपास पर खड़ी हुई थी। उसी दौरान उसकी बेटी वहां से गायब हो गई।

926 ग्राम गांजा के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने गांव धमतान साहिब के निकट एक व्यक्ति को काबू उसके कब्जे से 926 ग्राम गांजा बरामद किया है। गढ़ी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव धमतान साहिब से महासिंह वाला रोड पर व्यक्ति नशीले पदार्थ के साथ खड़ा हुआ है। जो ग्राहकों का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने उसके कब्जे से 926 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

सीनियर सिटीजन फोरम शहीदों को किया नमन

जींद। सीनियर सिटीजन फोरम जींद ने कारगिल विजय दिवस पर सेना को अद्भुत बहादुरी दिखाने पर बधाई दी तथा कारगिल ऑपरेशन में शहीद होने वाले शहीदों को दीप जला कर पुष्प अर्पित किए। फोरम के अध्यक्ष केयूके के पूर्व कुलपति डा. एके चावला के नेतृत्व में फोरम के सभी सदस्य शहीद स्मारक जींद पर पहुंचे। जिसमें हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक डा. धर्मदेव विद्यार्थी, कर्नल डीके भारद्वाज, कमांडेंट रमाकांत शर्मा, जेपी सिंगल, सुभाष पाहवा, वीरेंद्र लाठर एडवोकेट, पीके जैन आदि ने शहीद स्मारक पर शहीदों की याद में मोमबत्तियां जलाई।

ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

कैथल। पूंडरी बरसाना मार्ग पर नेशनल हाइवे 152 डी के निकट ट्रक की चपेट में आने से एक बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बरसाना का करीब 40 वर्षीय विजेंद्र अपनी बाइक पर सवार होकर पूंडरी से बरसाना की ओर जा रहा था कि सामने से आ रहे एक ट्रक ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में विजेंद्र

हरियाली तीज मेले का भव्य आयोजन आज

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज की महिला विंग द्वारा हरियाली तीज मेला 27 जुलाई को धूमधाम से मनाया जाएगा। महिला विंग की प्रधान पुष्पा अग्रवाल ने बताया कि इस तीज मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, झूले, तीज गीतों की प्रस्तुतियां, हाथों की मेहंदी, पारंपरिक खानपान के स्टॉल के साथ-साथ महिलाओं के लिए खरीदारी के विशेष स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

जींद। बस अड्डा पर अल सुबह बसों से परीक्षा केंद्रों के लिए रवाना होते हुए परीक्षार्थी।

जींद। परीक्षा केंद्र पर लगी परीक्षार्थियों की लाइन। *फोटो: हरिभूमि*

जींद। परीक्षा केंद्र में रोल नंबर की जांच करते हुए डीसी। *फोटो: हरिभूमि*

दोनों सत्रों में पहले दिन 24996 में से 23408 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी

...बाबू बनने को लेकर पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण रही

- *पहले सत्र में 11589 और दूसरे सत्र में 11819 परीक्षार्थियों ने पेपर दिया*
- *1588 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे*
- *डीसी, एसपी, एडीसी व एएसपी लेते रहे परीक्षा केंद्रों का जायजा*
- *कड़ी सुरक्षा जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को जाने दिया परीक्षा केंदों में*
- *70 शटल बसों ने परीक्षार्थियों को नही होने दिया परेशान, सुबह ही*
- *सुबह साढ़े तीन बजे से पहले ही शुरू हुआ बसों का परिचलन*
- *की परीक्षा के लिए भी बसों के पुख्ता प्रबंध*
- *एसडीएम ने परीक्षार्थी को जाम से निकाल परीक्षा केंद्र पर पहुंचा दिया मानवता का परिचय*

जींद। परीक्षा केंद्र पर जाने से पहले महिला परीक्षार्थियों की जांच करते हुए व चोट के बावजूद परीक्षा देने आई युवती।

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) को लेकर दो सत्रों में परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जींद में परीक्षा को लेकर 49 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे और इसके लिए 26 अधिकारियों को डयूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया।

पहले दिन 24996 में से 23408 परीक्षार्थियों ने दोनों सत्रों में परीक्षा दी। पहले सत्र में 11589 और दूसरे सत्र में 11819 ने पेपर दिया। दोनों सत्रों में 1588 अनुपस्थित रहे। कहीं-कहीं किसी सेंटर में बायोमेट्रिक को लेकर परेशानी उठानी पड़ी। डीसी मोहम्मद इमरान रजा व एसपी कुलदीप सिंह अधिकारियों के साथ परीक्षा केंद्रों का जायजा लेते रहे। वहीं रोडवेज द्वारा सुबह साढ़े तीन बजे से ही बसों का परिचलन शुरू कर दिया था। बस में 52 परीक्षार्थी हुए, उसे रवाना कर दिया गया। सबसे ज्यादा बसें करनाल व कैथल के लिए निकली।

तकनीकि खामियों के चलते आई परेशानी

मोतीलाल स्कल में सीईटी परीक्षा के दोरान बायोमेट्रिक मशीन को लेकर परीक्षार्थियों ने कुछ देर हंगामा किया। परीक्षार्थियों ने कहा कि केवल एक बायोमेट्रिक मशीन होने के कारण उनकी बायोमेट्रिक नही हो पाई। अब उन्हें घर पर बायोमेट्रिक करवो के लिए कहा गया है। जिस पर एडीसी विवेक आर्य ने कहा कि परीक्षार्थियों की परीक्षा ले ली गई है ओर कमीशन को लिख दिया गया है।

कैथल, करनाल, हिसार के लिए लगते रहे फेरे

जींद के अधिकतर परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्र कैथल, करनाल, हिसार में आए हुए थे। 26 जुलाई को सुबह व सायं के सत्र में होने वाली परीक्षा के लिए कुल 52252 परीक्षार्थियों के लिए 762 बसों व 27 जुलाई को 52010 परीक्षार्थियों के लिए भी 762 बसों की व्यवस्था की गई है। अन्य जिलों से जींद में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक आवागमन के लिए 60 शटल बसों की व्यवस्था की गई थी और 10 बसों को रिजर्व में भी रखा गया था। वहीं परीक्षार्थियों के लिए स्पेशल बसों पर फोकस के चलते रोहतक, दिल्ली, भिवानी समेत दूसरे रूटों पर सामान्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बस अड्डे पर ड्यूटी मैजिस्ट्रेट के अलावा पर्याप्त पुलिस फोर्स तैनात रही। सुबह तीन बजे ही रोडवेज कर्मचारी ड्यूटी पर पहुंच गए थे। डिपो महाप्रबंधक राहुल जैन, संदीप, अनूप लाठर समेत अन्य कर्मचारियों ने एडवांस बुकिंग वाले परीक्षार्थियों को बस नंबर के हिसाब से बैठाया।

परीक्षार्थियों ने आज भी करवाई एडवांस बुकिंग

सीईटी परीक्षा को लेकर रविवार को भी परीक्षा केंद्र अलग-अलग जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर जाएंगे। ऐसे में शनिवार को भी काफी संख्या में परीक्षार्थी बस अड्डा पर पहुंचे और बसों में सीट के लिए एडवांस बुकिंग करवाई। परीक्षार्थियों की सुविधा अनुसार ही रोडवेज प्रबंधन लगातार बसों को चला रहा है। कड़ी सुरक्षा जांच के बाद ही परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र तक पहुंच सके। परीक्षा केंद्र के गेट पर पहले रोल नंबर, फिर महिलाओं ने कोई गहना तो नही पहना, इसके बाद बायोमेट्रिक सहित अन्य जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में एंटी मिल सकी।

रोडवेज कर्मियों ने पूरी मेहनत से किया काम : जीएम

जींद डिपो के महाप्रबंधक राहुल जैन ने कहा कि सीईटी परीक्षा को लेकर रोडवेज कर्मियों ने पूरी मेहनत से कार्य किया है। निर्धारित समय से पहले ही बसों का परिचालन शुरू कर दिया था। जिस भी रूट पर परीक्षार्थियों की संख्या अधिक थी, उसी रूट पर बसों को चलाया गया। जिन परीक्षार्थियों ने एडवांस बुकिंग करवा रखी थी, उन्हें बस व सीट नंबर अलॉट किए गए थे। बाकायदा अनाउंसमेंट के माध्यम से भी हर जानकारी परीक्षार्थियों को दी जा रही थी।

प्रशासन ने किए व्यापक प्रबंध

डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सीईटी व्यवस्थित पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने को लेकर लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं। परीक्षार्थियों तथा उनके साथ आने वाले अभिभावकों एवं सहयोगियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। इसके लिए बसों की अलावा उनके ठहरने की भी व्यवस्था करवाई गई। जो परीक्षार्थी खुद के वाहनों से आए हैं, उनके लिए 21 जगहों पर वाहन पार्किंग व्यवस्था की गई थी। जिला के सभी बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। 24 घंटे कर्मचारियों की शिफ्ट में ड्यूटी निर्धारित की गई है।

सुरक्षा के लिए लिहाज से किए गए कड़े प्रबंध

सुरक्षा के लिहाज से प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर व्यापक कड़े प्रबंध किए गए थे। पर्याप्त पुलिसबल की तैनाती के अलावा सीसीटीवी कैमरे तथा जैमर, बॉयोमैट्रिक इत्यादि की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा केंद्रों पर होने वाली हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी गई। पुलिसकर्मियों की तैनाती के अलावा परीक्षा केंद्रों पर समय-समय पर पुलिस की अन्य टीम में भी गश्त कर रही है।

एसडीएम ने परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र पर पहुंचाया

शहर में भीड़ होने के कारण अपने निजी वाहन सहित परीक्षार्थी जाम में फंस गया। एसडीएम की नजर इस परीक्षार्थी पर पड़ी। उन्होंने पूछा कि आपको कहा जाना है तो परीक्षार्थी ने बताया कि वह परीक्षा देने के लिए जींद आया है। इस पर एसडीएम ने परीक्षार्थी से कहा कि वह मेरी गाड़ी के पीछे अपना वाहन लगा लें। एसडीएम परीक्षार्थी को समय पर परीक्षा केंद्र पर पहुंचाया।

कैथल में दोनों सत्रों में 16 हजार 371 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

- डीसी एसपी ने सुबह तीन बजे से लगातार की मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

डीसी प्रीति ने कहा कि जिले में पहले दिन की सीईटी परीक्षा शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गई है। परीक्षा के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट पर रहा। साथ ही परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए यातायात सहित परीक्षा केंद्रों में तमाम सुविधाओं की व्यवस्था की गई। शनिवार को दोनों सत्रों में आयोजित परीक्षा में कुल 94 प्रतिशत से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। जिले में कुल 33 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जहां सुबह के सत्र में 8684 में से 8167 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 517 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार सायं कालीन सत्र में 8684 में से 8204 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और 480 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। जिले में दोनों ही सत्रों की बात करें तो 17 हजार 368 में से 16 हजार 371 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। वहीं 997 अभ्यर्थी गैर हाजिर रहे। डीसी ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के परीक्षा देने के लिए पहुंचने में सरकार द्वारा दी गई परिवहन सुविधा का अहम योगदान रहा। परीक्षार्थियों को घर, गांव से लाने व ले जाने की सुविधा दी गई। जिले में सुबह तीन बजे से ही दस क्लस्टरों से चंडीगढ़ व पंचकूला के लिए बसों का संचालन शुरू कर दिया था।

जरूरत पर वाहन भेजे

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो गई है। सभी इंतजाम का निरीक्षण किया गया। कुछेक अभ्यर्थियों ने पुलिस से वाहनों की मदद मांगी थी। उन्हें उनकी जरूरत अनुसार वाहन उपलब्ध करवाए गए।

सीईटी परीक्षा देने आया दिव्यांग कपिल।

जींद। परीक्षार्थी से पूछताछ करते हुए पुलिसकर्मी। *फोटो: हरिभूमि*

चिकित्सक हत्याकांड में पुलिस के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

सफीदों मे निजी चिकित्सक की चाकू मार कर की गई हत्या के मामले मे पुलिस के हाथ दूसरे दिन भी खाली रहे। कौन वही आरोपित बनाए गए हमले घायल दूसरा चिकित्सक तथा उसका साढू भी बयान के लिए अनफिट रहे। हालांकि सीआईए समेत पुलिस की चार टीमें गुत्थी को सुलझाने के लिए लगातार पसीना बहा रही है। सोर्स के साथ तकनीकि तथा सीसी टीवी फूटेज के आधार जांच को आगे बढ़ाते हुए हत्यारों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। वहीं मृतक चिकित्सक के परिजनों द्वारा दिए गए अल्टीमेटम की समय अवधि भी पूरी होने जा रही है। मामला हाईटेक होता जा रहा है। जिसके चलते पुलिस पर भी जबरदस्त दबाव बना हुआ है। सफीदों के निजी अस्पताल संचालक विकास की हत्या दूसरे दिन भी रहस्य बनी रही। हत्यारे कौन थे, इसके पीछे क्या कारण रहे, सब कुछ समय के गर्भ में रहा। मृतक के परिजनों ने मामला बिजनेस से जोड़ा तो, मामला प्रथम दृष्टि में रोडरेज की तरफ गया। फिर मृतक की मां की फिरौती की बात ने भी जांच का ध्यान अपनी तरफ किया लेकिन कोई उस एंगल पर कोई बात सामने नही आई। रंजिश की बात भी कुछ सामने नही आई। सीसी टीवी फूटेज तथा अन्य साक्ष्यों से मामला रोडरेज की तरफ जा रहा है। इस बात से इनकार नही किया जा सकता कि अचानक कहासुनी के दौरान अचानक चाकू से हमला किया गया हो।

आरोपित घायल चिकित्सक व उसका साढू रहे अनफिट

हमले के दौरान मृतक चिकित्सक विकास के साथ लीलावती अस्पताल सफीदों के संचालक डा अनिल तथा उसका साढू हैप्पी उर्फ यशपाल भी थे। चाकू के हमले से वे दोनों भी घायल हो गए। मृतक के पिता की शिकायत पर डा. अनिल तथा हैप्पी को पुलिस ने कुछ अन्य लोगों के साथ आरोपित बनाया हुआ है। दोनों पानीपत के निजी अस्पताल में भरती करवाया गया है। दोनों घायल शनिवार को भी बयान के लिए अनफिट रहे। दोनों घायल बयान देने लायक होते तो घटना तथा हत्यारों का कोई सुराग पुलिस को लग जाता। शहर थाना सफीदों प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि पुलिस की चार टीमें लगातार मामले की जांच कर रही हैं। आरोपित घायल भी ब्यान के लिए अनफिट रहे।

शिकायत निकली झूठी, प्रिंसिपल को क्लीन चिट

जांच समिति ने छात्राओं और महिला अध्यापकों के बयान दर्ज किए

गुहला-चीका। गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका के प्रिंसिपल के खिलाफ लगाए गए यौन अनाचार के आरोप झूठे पाए गए हैं। जिले की 5 सदस्यीय सेक्सुअल हैरेसमेंट ऑफ़ वीमेन जांच समिति ने डीसी कैथल को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया है कि शिकायत में लगाए गए किसी भी आरोप में सत्यता नहीं पाई गई। जांच समिति ने अपनी संयुक्त रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने छात्राओं के साथ-साथ महिला स्टाफ से भी विस्तृत बातचीत की। इसके अतिरिक्त, प्रिंसिपल कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की वीडियो रिकॉर्डिंग को भी सावधानीपूर्वक जांचा गया, लेकिन आपत्तिजनक गतिविधि नहीं पाई गई। छात्राओं ने प्रिंसिपल के आचरण की सराहना करते हुए बताया कि जब से वे इस विद्यालय में नियुक्त हुए हैं, तब से स्कूल का माहौल काफी बेहतर हुआ है। समिति ने इस शिकायत को बंद करने की सिफारिश की है।

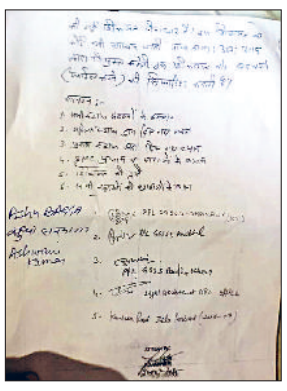

गुहला-चीका। गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल चीका के प्रिंसिपल के खिलाफ सौंपी गई रिपोर्ट।

डीसी को मिली थी गुमनाम शिकायत

गौरतलब है कि जून माह के अंतिम सप्ताह में डीसी कैथल को एक कथित छात्र द्वारा लिखा गया एक गुमनाम पत्र प्राप्त हुआ था। पत्र में आरोप लगाए गए थे कि प्रिंसिपल छात्राओं के साथ अनुचित व्यवहार करते हैं तथा कार्यालय में महिला अध्यापिकाओं को घंटों बैठाए रखते हैं। छात्रों से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और इस विषय में बीईओ कार्यालय, चीका में शिकायत की गई, कार्रवाई नहीं हुई। गुमनाम पत्र में खंड शिक्षा अधिकारी, गुहला पर कार्रवाई न करने का आरोप भी लगाया गया था। बीईओ ने स्पष्ट किया कि उन्हेंकोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

मुझे इंसाफ दीजिए डीसी मैम: प्रिंसिपल

प्रिंसिपल अशोक कुमार ने डीसी से यह भी अनुरोध किया कि यह पता लगाया जाए कि गुमनाम पत्र, जो केवल डीसी कार्यालय को भेजा गया था, मीडिया तक कैसे पहुंचा। उन्होंने कहा कि यदि पत्र वास्तव में छात्राओं द्वारा लिखा गया होता तो वह सार्वजनिक नहीं होता। यह किसी चालाक व्यक्ति की साजिश प्रतीत होती है। अब जब यह स्पष्ट हो गया है कि शिकायत झूठी थी, और मेल के माध्यम से यह कई सरकारी कार्यालयों तक भी पहुंची, तो यह आवश्यक है कि डीसी यह पता लगाएं कि आखिर यह शिकायत किसने और क्यों लिखी।

ब्लॉक और जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं 25 अगस्त से पहले करवाएं शुरू

अंडर 11 और 14 स्कूली खेल प्रतियोगिता को लेकर पत्र जारी

- 30 अगस्त तक जिलास्तर के खेल परिणामों की सूची निदेशालय को भेजना सुनिश्चित करें

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

अंडर 11 और अंडर 14 स्कूली खेल प्रतियोगिता को लेकर मौलिक शिक्षा हरियाणा महानिदेशक द्वारा प्रदेशभर के डीईईओ के नाम पत्र जारी किया गया है। जारी किए गए पत्र के अनुसार निर्देश जारी किए गए हैं कि अंडर 11 और अंडर 14 आयु वर्ग के ब्लॉक और जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं 25 अगस्त से पहले अपनी सुविधा अनुसार करवाना सुनिश्चित करें। वहीं 30 अगस्त तक जिलास्तर के खेल परिणामों की सूची निदेशालय को भेजना सुनिश्चित करें। वहीं अंडर 11 राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाने की जिम्मेदारी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी झज्जर को देते हुए लिखा जाता है कि 30 सितंबर से पहले अपनी सुविधा अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाते हुए खेल परिणामों की सूची एक सप्ताह के अंदर-अंदर निदेशालय को भेजना सुनिश्चित करें। अंडर-11 आयु वर्ग में एथलेटिक्स, कुश्ती, जिमनास्टिक, कबड्डी, शतरंज, खो-खो स्केटिंग, योगा, कैरम जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। वहीं अंडर 14 आयु वर्ग की प्रतियोगिताएं 29 अगस्त से लेकर 18 सितंबर तक करवाने के निर्देश जारी हुए हैं।

जींद। बास्केटबाल खेलते हुए बच्चे। *फोटो: हरिभूमि*

पत्र जारी हुआ

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने कहा कि अंडर 14 आयु वर्ग की राज्य स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं को लेकर पत्र जारी हुआ है। इसमें से फेंसिंग और कराटे की प्रतियोगिता जींद में होंगी।

अंडर- 14 आयु वर्ग की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का शेड्यूल

जिला	खेल	दिनांक
1. अंबाला	स्वीमिंग, जिमनास्टिक	29 से लेकर 31 अगस्त तक
2. भिवानी बॉक्सिंग	29 अगस्त से लेकर	31 अगस्त तक
3. फरीदाबाद शूटिंग	बैडमिंटन	29 से लेकर 31 अगस्त तक
4. फतेहाबाद फुटबॉल	29 से लेकर	31 अगस्त तक
5. गुरुग्राम बास्केटबॉल	शतरंज	29 से लेकर 31 अगस्त तक
6. हिसार हैंडबॉल,	आर्चरी	चार सितंबर से छह सितंबर तक
7. झज्जर	सॉफ्टबॉल, कुश्ती फ्री स्टाइल, ग्रीको रोमन	चार सितंबर से छह सितंबर तक
8. जींद	फेंसिंग, कराटे	चार सितंबर से छह सितंबर तक
9. कैथल बास्केटबॉल	क्रिकेट चार	सितंबर से छह सितंबर तक
10. करनाल	ऑर्चरी	10 सितंबर से लेकर 12 सितंबर तक
11. कुरुक्षेत्र	साइकिलिंग, जूडो	10 से लेकर 12 सितंबर तक
12. पंचकूला	खो-खो	10 से लेकर 12 सितंबर तक
13. पानीपत	कबड्डी	10 सितंबर से लेकर 12 सितंबर तक
14. रेवाड़ी	ताइक्वांडो, नेटबॉल	10 सितंबर से लेकर 12 सितंबर तक
15. रोहतक	स्केटिंग, योगा	16 सितंबर से लेकर 18 सितंबर तक
16. सोनीपत	हॉकी	16 सितंबर से लेकर 18 सितंबर तक
17. सिरसा	वॉलीबॉल	16 सितंबर से लेकर 18 सितंबर तक
18. यमुनानगर	टेबल टेनिस, टेनिस,	16 से लेकर 18 सितंबर तक

पांच साल में पैसों को डबल, ट्रिपल करने वाले सात फंड, निवेशकों को बड़ा फायदा

- हाइब्रिड कैटेगरी की स्कीम्स ने इक्विटी को दी कड़ी टक्कर
- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स ने 5 साल में दिया बढ़िया रिटर्न
- निवेशकों के पैसों को दो से तीन गुना तक कर दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स से हाई रिटर्न हासिल करने की बात हो तो आम तौर पर हमारा ध्यान इक्विटी स्कीम की तरफ ही जाता है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स की एक कैटेगरी ऐसी है, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देने के मामले में इक्विटी फंड्स को टक्कर दे सकती है। ये कैटेगरी है डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स यानी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की। इस कैटेगरी के टॉप 7 फंड्स ने 5 साल में निवेशकों के पैसों को डबल-ट्रिपल करके दिखाया है। साथ ही सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी इनका सालाना रिटर्न काफी आकर्षक रहा है। इन टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया, आईसीआईसीआई प्रू, टाटा म्यूचुअल फंड, बड़ौदा बीएनपी परीबा और आदित्य बिरला सनलाइफ जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं।

ऐसा रहा प्रदर्शन

टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स का पिछले 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 15% से 24% तक रहा है. इन सभी फंड्स ने 5 साल पहले किए गए 1 लाख रुपये के निवेश को दो लाख से तीन लाख रुपये में तब्दील कर दिया है. इतना ही नहीं, इन सभी फंड्स ने **SIP** के जरिये किए गए निवेश पर भी साल दर साल 13% से लेकर 21% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है. आइए डालते हैं इन सभी फंड्स के पिछले प्रदर्शन पर एक नजर।

1. एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 24.62%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 3 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 10.12 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 21.02%)

2. बड़ौदा बीएनपी परीबा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 17.03%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.20 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.89 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 15.74 %)

3. एडेलवाइज बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.92%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.09 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.44 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.6%)

4. आदित्य बिरला सनलाइफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.71%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.08 लाख
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.60 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.4%)

5 साल में 15 से 24% तक एनुअल रिटर्न दिया

5. निप्पॉन इंडिया बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.67%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.07 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.02%)

6. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.52%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.06 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.99%)

7. टाटा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
- 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 14.99%
- 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.01 लाख रुपये
- 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.32 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.03%)

बेंचमार्क और रिस्क लेवल

इन सभी हाइब्रिड फंड्स का बेंचमार्क इंडेक्स इन दो में से कोई एक है - निफ्टी 50 हाइब्रिड कंपोजिट डेट 50:50 इंडेक्स, जिसका पिछले 5 साल का सीएजीआर 12.70% रहा है या क्रिसिल हाइब्रिड 50+50 मॉडरेट इंडेक्स, जिसका 5 साल का सीएजीआर 13.62% है। सभी 7 फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग दी गई है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की निवेश रणनीति

पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट के बीच फंड एलोकेशन को वक्त के हिसाब से बदलने की रणनीति बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड (**Balanced Advantage Fund or Dynamic Assest Allocation**) की सबसे बड़ी खूबी है. इस रणनीति की बदौलत ये म्यूचुअल फंड बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच भी बेहतर और स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं. सेबी के नियमों के तहत इन फंड्स के मैनेजर को इक्विटी और डेट के बीच अपना फंड एलोकेशन जीरो से 100% तक बदलते रहने की छूट मिली हुई है। इस रणनीति का एक फायदा यह भी है कि अगर फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश को 65% या उससे ऊपर रखता है, तो इसमें निवेश पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स बेनिफिट भी मिल सकते हैं। हालांकि इक्विटी में ज्यादा एक्सपोजर की संभावना के कारण बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में रिस्क भी अधिक रहता है. इसलिए इनमें निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क बर्दाश्त करने की क्षमता को परख लेना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि के लिए पैसे लगाने की तैयारी रखनी चाहिए. साथ ही यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सलाह देना नहीं, निवेश का कोई भी फैसला अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह लेने के बाद ही करें।)

जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, जल्द बनेंगे करोड़पति

सुझाव
बिजनेस डेस्क

- हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, इससे बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें, अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं
- हर साल अपने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान को भी अपग्रेड करें
- अपनी कमाई का कम से कम दस फीसदी हिस्सा बचत में लगाएं

अगर आप भी निवेश के जरिये अच्छा पैसा जुटाना चाहते हैं तो अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं। इससे आपको जल्द करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। आप अपने सपने आसानी से पूरे कर पाएंगे। इसके लिए जरूरी है, अपने लक्ष्य तय करें और लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाए। अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं यानी निवेश के लिए स्टेप-अप एसआईपी के फार्मूले को अपनाएं। अपने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं और अपनी इनकम का कम से कम दस फीसदी निवेश जरूर करें और इसे हर साल बढ़ाते जाएं। फिर देखना आपका पैसा दिन दूनी और रात चौगुनी के साथ बढ़ेगा। नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है

- स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं। इसलिए स्टेप-अप एसआईपी जरूरी : बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल
- जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी जरूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- इस तरह धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

असरदार तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी जिंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और जरूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

आईटीआर फाइलिंग : कुछ गलतियों की वजह से आ सकता है नोटिस

●जुर्माना भी लग सकता है और रिटर्न रिजेक्ट होने का भी रहता है खतरा ● टैक्सपेयर्स अक्सर आईटीआर फॉर्म चुनने में कर जाते हैं बड़ी गलतियां ● वेरिफिकेशन में गलती करते हैं, तो बढ़ सकती है आपकी परेशानी

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना हर साल टैक्सपेयर्स के लिए एक जरूरी काम होता है, लेकिन कई बार इसमें छोटी-छोटी गलतियां उनके लिए भारी पड़ जाती हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2025 तक है। इस बीच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर-1, 2, 3 और 4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर दी हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, जल्दबाजी या जानकारी की कमी के कारण कई बार टैक्सपेयर्स ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो नोटिस, जुर्माना या रिटर्न के रद्द होने का कारण बन सकती हैं। आइए जानते हैं, सात ऐसी आम गलतियों के बारे में, जिनसे टैक्सपेयर्स को बचना चाहिए।

गलत आईटीआर फॉर्म चुनना

सबसे आम गलती है गलत आईटीआर फॉर्म का चयन। हर फॉर्म खास तरह की आय और टैक्सपेयर्स के लिए बनाया गया है। मिसाल के तौर पर, अगर आपने शेयरों की बिक्री से 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन कमाया है या आपके पास किसी विदेशी बैंक में अकाउंट है, तो आप आईटीआर-1 की जगह आईटीआर-2 भरना होगा। गलत फॉर्म चुनने से आपकी रिटर्न 'डिफेक्टिव' मानी जा सकती है या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है। इसलिए, अपनी आय के सोर्स को ध्यान से देखें और सही फॉर्म चुनें।

सभी आय के सोर्स न बताना

कई टैक्सपेयर्स अपनी सारी आय को रिटर्न में नहीं दिखाते, चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। मसलन, बचत खाते का ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज, किराए की आय या शेयरों से डिविडेंड को छिपाना गलत है। भले ही बचत खाते के ब्याज पर 10,000 रुपये तक की छूट मिलती हो, लेकिन इसे रिटर्न में दिखाना जरूरी है। आय छिपाने से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नजर में आप गलत ठहर सकते हैं, जिससे नोटिस या जुर्माना लग सकता है।

नौकरी बदलने पर आय छिपाना

अगर आपने वित्त वर्ष में नौकरी बदली है, तो दोनों एम्प्लॉयर्स से मिली आय को रिटर्न में दिखाना जरूरी है। दोनों की फॉर्म-16 को ध्यान से देखें और सुनिश्चित करें कि कोई आय छूट न जाए। कई बार टैक्सपेयर्स पुराने एम्प्लॉयर की आय या टीडीएस की जानकारी छोड़ देते हैं, जो गलत है। एआईएस में आपकी सारी आय की जानकारी होती है, इसलिए इसे छिपाने की कोशिश न करें, वरना नोटिस का सामना करना पड़ सकता है।

फॉर्म 26एएस की जांच न करना

रिटर्न फाइल करने से पहले फॉर्म 26 एएस और एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) की जांच करना जरूरी है। ये डॉक्यूमेंट्स आपकी आय, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी देते हैं। अगर इनमें कोई गलती है, जैसे बैंक द्वारा काटा गया टीडीएस गलत दिख रहा हो, तो उसे ठीक करवाएं। इन डॉक्यूमेंट्स का मिलान फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड से करें। अगर जानकारी में अंतर हुआ, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है।

गलत डिडक्शन का दावा करना

कई टैक्सपेयर्स बिना सबूत के सेक्शन 80सी, 80डी या अन्य छूट का दावा कर लेते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की स्कूल फीस, एलआईसी प्रीमियम या मेडिकल इंश्योरेंस के लिए छूट तभी ले सकते हैं, जब आपके पास वैध डॉक्यूमेंट हों। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब एआईएस और एआई टूल्स के जरिए ऐसी गलतियों को आसानी से पकड़ लेता है। अगर आप बिना सबूत के छूट लेते हैं, तो नोटिस मिल सकता है या रिटर्न रद्द हो सकता है।

विदेशी संपत्ति की जानकारी न देना

अगर आपके पास विदेशी बैंक खाता, शेयर या दूसरी संपत्ति है, तो उसे रिटर्न में बताना जरूरी है। बजट 2024 में नियमों में थोड़ी ढील दी गई है, जिसमें 20 लाख रुपये तक की चल संपत्ति को न दिखाने की छूट दी गई है। लेकिन इसके बावजूद, पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। विदेशी संपत्ति छिपाने पर पहले 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगता था, लेकिन नए नियमों के बावजूद सावधानी बरतें।

रिटर्न का वेरिफाई न करना

रिटर्न फाइल करने के बाद उसे 30 दिनों के अंदर वेरिफाई करना जरूरी है। यह सत्यापन आधार ओटीपी , नेट बैंकिंग या आईटीआर वी को डाक से भेजकर किया जा सकता है। अगर आप वेरिफाई नहीं करते, तो रिटर्न को अमान्य माना जाता है, जैसे कि आपने रिटर्न फाइल ही नहीं किया। कई टैक्सपेयर्स यह भूल जाते हैं, जिससे उनकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और जुर्माना लग सकता है।

ऋण | एमएफ लोन पर ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन से अधिक, लोन लेने का फैसला करने से पहले सभी विकल्पों पर विचार करें

अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले, इससे आपकी एसआईपी चलती रहेगी

म्यूचुअल फंड पर भी ले सकते हैं लोन, लेकिन जान लें कुछ बातें क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में एमएफ पर लोन सस्ता

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेन जा रहे हैं और म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश करते हैं जो आपके लिए म्यूचुअल फंड पर लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड पर लोन क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता होता है। हालांकि इसकी ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन लेने की तुलना में अधिक हो सकती हैं। फिर भी लोन लेने से पहले सभी विकल्पों पर विचार कर लिया जाना चाहिए। इससे आप आसानी से और सस्ती ब्याज दरों पर लोन ले सकेंगे। जीवन में कई कारणों से कभी-कभी अस्थायी रूप से पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यह घर के नवीनीकरण, परिवार में शादी या किसी चिकित्सा आपात स्थिति के कारण हो सकता है। ऐसी नकदी की तंगी की स्थिति में, सबसे पहला विचार यही आता है कि अपनी बचत का इस्तेमाल करें और नुकसान होने पर भी अपने निवेश को बेच दें। और अगर इससे भी काम न चले, तो आप ऋण लेने की सोचते हैं। हालांकि, निवेश को बेचना सबसे अच्छा उपाय नहीं है। अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले सकते हैं। जी हां, जैसे आप लोन के लिए सोना और रियल एस्टेट जैसी अन्य संपत्तियां गिरवी रख सकते हैं, वैसे ही आप बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से अपने म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन ले सकते हैं। एमएफ पर लोन लेने से पहले आप 6 प्रमुख बातों के बारे में जान लें। ये आपके काफी काम आएंगी।

म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की एक सीमा तक ही ऋण मिलेगा

आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स के बदले आपको मिलने वाले ऋण की राशि काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस प्रकार की म्यूचुअल फंड योजना में निवेश किया है और आप किस वित्तीय संस्थान से ऋण लेंगे। उदाहरण के लिए, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बैंक आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के 50% तक और डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 80% तक का लोन देते हैं। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक आपकी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 85% तक और इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 60% तक का लोन प्रदान करता है।

सभी बैंक सभी म्यूचुअल फंडों पर ऋण नहीं देते

कई बैंक केवल उनके द्वारा चयनित म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर ही ऋण देते हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआई केवल एसबीआई म्यूचुअल फंड की म्यूचुअल स्कीमों पर ही ऋण देता है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी उन स्कीमों के बारे में चयनात्मक हैं जिन पर वे ऋण देते हैं। ये दोनों निजी बैंक कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीएमएस) के साथ पंजीकृत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा प्रबंधित म्यूचुअल फंड स्कीमों पर ऋण प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक्सिस बैंक ने अपनी वेबसाइट पर म्यूचुअल फंड योजनाओं का एक सेट सूचीबद्ध किया है, जिसके आधार पर वह धन उधार देता है।

मिलने वाला ऋण राशि की ऊपरी सीमा

किसी भी प्रकार के ऋण की तरह, म्यूचुअल फंड पर दिए जाने वाले ऋणों की भी कुछ सीमाएं होती हैं। कई बैंकों ने आपको मिलने वाले ऋण की अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय कर रखी है। उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई बैंक जैसे अधिकांश बड़े निजी बैंकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में न्यूनतम ऋण राशि 50,000 रुपये और अधिकतम राशि 20 लाख रुपये तथा डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 1 करोड़ रुपये तक निर्धारित की है। एनबीएफसी के मामले में, न्यूनतम और अधिकतम दोनों सीमाएं आमतौर पर ज़्यादा होती हैं। उदाहरण के लिए, आदित्य बिड़ला फाइनेंस में न्यूनतम ऋण राशि 25 लाख रुपये और अधिकतम 10 करोड़ रुपये है। बजाज फिनसर्व के मामले में भी यही स्थिति है।

ऋण की लागत व्यक्तिगत ऋण व क्रेडिट कार्ड ऋण से कम

म्यूचुअल फंड पर लोन का एक प्रमुख लाभ यह है कि आपको क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन की तुलना में कम ब्याज दर मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि म्यूचुअल फंड पर लोन सुरक्षित होते हैं, यानी उनके पीछे कोई संपार्श्विक होता है। उदाहरण के लिए, आपको म्यूचुअल फंड पर लिए गए लोन पर 8-10% की ब्याज दर चुकानी होगी। यह आपके द्वारा चुनी गई बैंक और म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर अलग-अलग होगा। अगर आप डेट फंड योजनाओं की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर कम होती है, और अगर आप इक्विटी फंड की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर ज़्यादा होती है।
दूसरी ओर, क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित लोन के मामले में, लोन आपकी किसी भी वित्तीय संपत्ति द्वारा समर्थित नहीं होता है। इसलिए, बैंक द्वारा उठाए जा रहे उच्च जोखिम के अनुरूप, आपसे 8-10% से अधिक ब्याज दर वसूलने की संभावना होती है।

गिरवी रखी गई एमएफ यूनिटों पर रिटर्न मिलता रहेगा

जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर उन पर लोन लेते हैं, तो वे यूनिट्स बाजार में निवेशित रहती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स किसी बैंक में गिरवी रखते हैं, तो आप बैंक को यह अधिकार देते हैं कि वह म्यूचुअल फंड यूनिट्स को तभी बेचे जब आप डिफॉल्ट करें। लेकिन जब तक आप डिफॉल्ट नहीं करते, तब तक आपके निवेश बाजार से जुड़े रहते हैं और आप उन पर रिटर्न कमाते रहते हैं। इस प्रकार, आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी वित्तीय योजना अभी भी बरकरार है और साथ ही आप किसी भी यूनिट को भुनाए बिना अल्प सूचना पर आवश्यक पूंजी जुटा सकते हैं।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

तकनीक की बदौलत, एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे कई बैंक अब आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर ऑनलाइन लोन दे रहे हैं। आपको बस अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स ऑनलाइन गिरवी रखनी हैं और अपने खाते में ओवरड्राफ्ट लिमिट सेट करवानी है। ओवरड्राफ्ट सुविधा का मतलब है आपके बैंक के साथ एक क्रेडिट समझौता जिसके तहत आप अपने खाते में जमा राशि से ज़्यादा पैसे निकाल सकते हैं। इसकी एक पूर्व-स्वीकृत सीमा होती है।

जिले में उत्सव के रूप में आयोजित की गई सीईटी की परीक्षा, सीएम सैनी की प्रशंसा करते दिखे परिजन

अनुशासित एवं व्यवस्थित तैयारियों से गदगद दिखे परीक्षार्थी

■ नि: शुल्क एवं सुगम यात्रा से परीक्षार्थियों के चेहरे पर दिखा संतुष्टि का भाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शनिवार को कैथल में सीईटी की परीक्षा के आयोजन को जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों के अनुसार एक उत्सव के तौर पर लिया और तमाम तैयारियों को बड़े ही अनुशासित एवं व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया गया।

जिसका परिणाम यह रहा है कि परीक्षा के पहले व दूसरे सत्र में परीक्षार्थियों ने बिना किसी परेशानी के सहज भाव से परीक्षा दी। सरकार व जिला प्रशासन के इंतजाम से उत्साहित परीक्षार्थी व उनके अभिभावक गदगद नजर आए और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते नहीं थक रहे थे।

निशुल्क एवं सुगम यात्रा से परीक्षार्थियों व उनके अभिभावक चेहरे पर एक संतुष्टि का भाव दिखाई दिया। बातचीत में परीक्षार्थियों ने अपने गांव, शहर से बस अड्डे तक, बस अड्डा जींद से कैथल, कैथल बस अड्डे से परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की बात हो, परीक्षा केंद्र में पुलिस कर्मियों व स्टाफ के सौम्य एवं मधुर व्यवहार की बात हो, परीक्षा केंद्र के अंदर के शांत वातावरण की बात हो या फिर परीक्षा के बाद परीक्षा केंद्र से बस अड्डे तक छोड़ने की बात हो, इन विषयों पर परीक्षार्थियों ने सरकार की खुले कंठ से प्रशंसा की।

सीइटी परीक्षा को लेकर डीसी प्रीति और एसपी आस्था मोदी बस स्टैंड का निरीक्षण करते हुए फोटो : हरिभूमि

सीइटी परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की जांच करते अधिकारी

दिव्यांग अभ्यर्थियों को दी घर से पिक एंड ड्राप की सुविधा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार दिव्यांग अभ्यर्थियों को घर से पिक एंड ड्राप की सुविधा मुहैया करवाई गई थी। जिला प्रशासन की ओर से एक दिन पहले ही सभी पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों से संपर्क किया गया। उन्हें घर से लेकर आया गया और परीक्षा समाप्त होने के बाद उन्हें वापस घर छोड़ा गया। इस सुविधा के लिए दिव्यांग अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग व जिला प्रशासन का धन्यवाद व्यक्त किया।

डीसी व एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

डीसी प्रीति व एसपी आस्था मोदी अल सुबह ही फील्ड में निकल पड़ी थी। सबसे पहले सुबह सात बजे दोनों आला अधिकारियों ने खजाना कार्यालय का दौरा किया और वहां पर पेपर डिस्पैच की प्रक्रिया का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उसके बाद बसों की व्यवस्था को परखने के लिए बस स्टैंड पर पहुंची। इसके बाद उन्होंने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। सबसे पहले डीसी व एसपी जाखौली अड्डा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पहुंचें। इसके बाद राधाकृष्णन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, इसके बाद कमेटी चौक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फिर गीता भवन मंदिर के निकट स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फिर खुराना रोड स्थित खालसा पब्लिक स्कूल, वहां से डीएवी पब्लिक स्कूल, वहां से हेरिटेज पब्लिक स्कूल, फिर शैमरॉक सीनियर सेकेंडरी, वहां से दिल्ली पब्लिक स्कूल, फिर नवोदय विद्यालय व सनराइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल निरीक्षण किया। सभी जगह अधिकारियों ने परीक्षार्थियों के प्रवेश के दौरान ली जा रही तलाशी, बायोमीट्रिक हाजिरी जैसी व्यवस्थाओं को जांचा। साथ ही सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा व्यवस्था, जैमर तथा स्टाफ की कार्यप्रणाली को परखा। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों की चेकिंग के दौरान शालीनता का व्यवहार रखें और किसी भी अभ्यर्थियों को कोई परेशानी न हो।

सीईटी परीक्षा की सुविधा की कहानी, परीक्षार्थियों और अभिभावकों की जुबानी

शनिवार को आयोजित सीईटी की परीक्षा में आए परीक्षार्थी व उनके साथ आए अभिभावक सरकारी इंतजाम से खुश नजर आए। लोगों ने पहली बार देखा कि सरकारी अमला परीक्षा दिलवाने के लिए बच्चों को घर से लेकर परीक्षा केंद्र तक कैसे मदद के लिए खड़ा था। परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से लेकर परीक्षा समाप्ति के बाद घर पहुंचने तक सरकारी इंतजाम से खुश नजर आए लोगों ने कह दिया कि सीएम नायब सिंह सैनी ने मौज करवा दी। वहीं लोग जिला प्रशासन के इंतजाम से खुश नजर आए। परीक्षा केंद्रों पर इंतजाम को लेकर लोगों के अनुभव उन्हीं की जुबानी में कुछ इस तरह रहे।

बस स्टैंड सहित केंद्रों पर मुहैया करवाई सुविधाएं

सीईटी की परीक्षा देने आए परीक्षार्थियों के लिए बस स्टैंड व परीक्षा केंद्रों पर सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई गई। पेयजल, शौचालय तथा उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए भी एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध रही। इसमें दवाइयों सहित मेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

85 शटल बसें लगाई

परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए 85 शटल बसें लगाई थी। बस स्टैंड पर परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क लगाए गए थे। साथ ही बसों के आगे परीक्षा केंद्रों के नाम अंकित किए गए थे, ताकि परीक्षार्थी अपने सेंटर पर पहुंच सके। बस अड्डे पर अनाउंसमेंट सिस्टम ने परीक्षार्थियों की काफी मदद की। उन्हें बताया जा रहा था कि किस जगह से कहां की बस मिलेगी।

कलस्टर से भेजी गई चंडीगढ़ व पंचकूला के लिए बसें

जिला वासियों के परीक्षा केंद्र पंचकूला व चंडीगढ़ में बनाए गए हैं। परीक्षार्थियों के लिए पूंडरी, ढांड, कैथल, राजौंद, कलायत, चीका, कसान, सांघन, सीवन तथा पाई सहित 10 जगह से बसें भेजी गई। जिन अभ्यर्थियों की परीक्षा सुबह के सत्र में थी, उनके लिए सुबह 3 बजे से बसें पंचकूला व चंडीगढ़ के लिए रवाना होनी शुरू हो गई थी तथा जिन परीक्षार्थियों की सायं कालीन सत्र में परीक्षा थी उनके लिए सुबह करीब 8 बजे से बस रवाना होनी शुरू हो थी। 27 जुलाई को यह सुविधा इसी प्रकार रहेगी।

ठहरने की व्यवस्था की गई थी

जींद जिला से आने वाले परीक्षार्थियों के लिए रात्रि में ठहरने के लिए कैथल में विभिन्न जगहों पर व्यवस्था की गई थी। इसमें सीवन रोड स्थित गुर्जर भवन धर्मशाला, माता गेट स्थित सूर्य कूंड डेरा, सिटी थाना के पास श्री गीता भवन मंदिर, सीवन रोड पर ब्राह्मण धर्मशाला, रविदास मंदिर प्रताप गेट, ऋषि नगर में जीवन रक्षक दल, सनातन धर्म मंदिर शामिल रहे।

एसपी ने निजी वाहन से पहुंचाया

एक परीक्षार्थी ने सुबह पूंडरी से आपातकाल में फोन कर यातायात की सुविधा की मांग की। जिस पर एसपी आस्था मोदी ने तुरंत ईआरवी को उसकी मदद के लिए भेजा। वहां से उसकी इच्छा अनुसार उसे निजी वाहन से करनाल भेजा गया। इस तरह से पूरा प्रशासन दिन भर अलर्ट मोड में रहा और परीक्षार्थियों या उनके अभिभावकों की जरूरत अनुसार उन्हें सुविधाएं प्रदान की गईं।

सीएम का करते हैं आभार

जींद से सीईटी की परीक्षा देने पहुंची मुस्कान ने कहा कि परीक्षा देने के लिए रोडवेज की बस में बिल्कुल निशुल्क एवं सुविधाजनक रूप से परीक्षा केंद्र पर पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह अच्छी सुविधा दी है उसके लिए उनका बहुत धन्यवाद करते हैं। परीक्षा केंद्र के अंदर भी पूरा वातावरण व्यवस्थित था। बड़े ही शांत एवं सहज भाव से उन्होंने परीक्षा दी है।

किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं

जींद जिला गांव उझाना के सतबीर का कहना था कि सरकार ने जो आने-जाने के लिए बसों की सुविधा दी है, वह बहुत ही बढ़िया है, किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं है। परमात्मा करें आने वाले समय में भी नायब सिंह सैनी ही मुख्यमंत्री बने। चाहे लड़की हो, लड़का हो या फिर उनके साथ आने वाले परिवार के सदस्य हों, उनको भी पूरी सुविधा दी है।

कोई भी किराया भाड़ा नहीं लाग्या

जींद के उझाना गांव के बुजुर्ग ने हरियाणी लहजे में कहा कि गांव के स्टेडियम के पास तै सबेरे बस चाली थी, गाम मै तै परीक्षा देने आले बालक और उनके परिवार के सदस्य बस में बैठे और वो भी फ्री में, कोई भी किराया बाड़ा नहीं लाग्या। कैथल बस स्टैंड पर पहुंचे तो वहां पर भी बस का प्रबंध किया गया था और हम पेपर देन आली जगह पै पहुंचा दिए। जो सुविधा नायब सैनी नै करी है उसके लिए आपका धन्यवाद हो,

बहुत ही अच्छा लगा

जींद से पहुंचे आशीष ने कहा कि मैंने परीक्षा देने के लिए कैथल पहुंचना था। सरकार ने अच्छी सुविधा प्रदान की है। घर से परीक्षा केंद्र तक बस की सीट पर बैठकर आया हूं, मुझे अच्छा लगा। सरकार का यह सराहनीय प्रयास है, जिन्होंने कमाल कर दिखाया है। हम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद करते हैं।

जमै बढ़िया काम कर रखा है

जुलाना से पहुंची एक बुजुर्ग महिला ने भी हरियाणी लहजे में कहा कि उनकी भतीजी का पेपर देन आए थे, जमै बढ़िया काम कर रखा है, जमा सही आए हैं। मुख्यमंत्री सैनी नै अच्छा काम करया, जिसनै हरियाणा के लोगां वास्ता बढ़िया काम करे।

हरियाणै में बहुत बढ़िया व्यवस्था

जींद से पहुंचे मोहित लाठर ने कहा कि पूरे हरियाणै में बहुत बढ़िया व्यवस्था होरी है। सीईटी की परीक्षा देने जितने भी बच्चे पहुंचे हैं, सब खुश हैं।
नायब सरकार इतनै अच्छे काम कर रही है, वो काबिले तारीफ है। जो माहौल बना है, उसमें खुशी की लहर नजर आ रही है। सरकार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी का धन्यवाद, जिन्होंने बहुत अच्छी व्यवस्था कर राखी है।

रोहेडा के गौरव पब्लिक स्कूल में किया पौधरोपण

राजौंद। गांव रोहेडा के गौरव पब्लिक स्कूल में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हरियाणा सरकार की तरफ से स्कूल में आएं अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ स्कूल के नए परिसर में पौधरोपण की शुरुआत प्रधानाचार्य व स्टाफ सदस्यों तथा सरकारी अधिकारीयों कि मौजूदगी में की गई। प्रधानाचार्य दर्शन सिंह मौण ने कहा कि पौधे पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रत्येक व्यक्ति को लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को एक-एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए तभी जाकर पर्यावरण का संतुलन बना रह सकता है। वरना भविष्य में पर्यावरण को लेकर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने स्कूल प्रांगण में फूलदार फलदार छायादार पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का भी संकल्प लिया।

स्कूल आए सरकारी कर्मचारियों के साथ पौधारोपण करते हुए स्कूल प्रधानाचार्य व स्कूल स्टाफ सदस्य।

ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान पाड़ला में यातायात नियमों को लेकर कार्यशाला आयोजित

कैथल। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष व जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभाष मैहला के आदेशानुसार व मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार की देखरेख में शनिवार को अशोक ले लैंड ड्राईविंग प्रशिक्षण संस्थान पाड़ला में सड़क सुरक्षा व मोटर वाहन कानून व नियमों की जागरूकता बारे एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में यातायात के नियमों व वाहनों की जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सेवा के पैनल अधिवक्ता व मास्टर ट्रेनर अरविंद खुरानिया ने कानून व नियमों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी समीर सैनी ने भी अपने विचार रखे।

किसानों के हितों पर गंभीरता ज़रूरी : राजू पाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

जेजेपी के वरिष्ठ नेता राजू ढुल पाई ने कहा कि हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य में खाद संकट जैसी समस्याएं बेहद चिंताजनक हैं। कैथल जिले के कई गांवों में किसानों को खाद के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ रहा है, जिससे उनकी फसल की बोवाई और रोपाई प्रभावित हुई। यह स्थिति दर्शाती है कि शासन-प्रशासन को किसानों की समस्याओं पर तत्काल और गंभीर कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि खाद, बीज और कृषि से जुड़ी मूलभूत जरूरतों की समय पर उपलब्धता ही किसान की सबसे बड़ी सहायता है। किसान जब खेत में मेहनत करता है, तो उसे केवल भरोसा चाहिए कि सरकार और सिस्टम उसके साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि खाद और बीजों की गुणवत्ता की गारंटी, सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही से ही किसानों में विश्वास जगेगा। राजू ढुल पाई ने राज्य सरकार और संबंधित विभागों से मांग की कि समय रहते किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि खेत, खेतिहर और कृषि से जुड़ा हर वर्ग देश की रीढ़ बना रहे, बोझ नहीं।

खबर संक्षेप

सामाजिक धार्मिक संस्थाओं ने भी निभाई अहम भूमिका

कैथल । सीईटी परीक्षा को सफलतापूर्वक आयोजित करवाने में सामाजिक धार्मिक संस्थाओं ने भी अपनी अहम भूमिका निभाई। एक ओर जहां परीक्षार्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई वहीं विभिन्न परीक्षा केंद्रों के बाहर कड़ी चावल व पानी की छबील लगाकर उमस भरी गर्मी में उनकी प्यास बुझाई। इसके अलावा भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने छबील लगाकर परीक्षार्थियों को राहत पहुंचाई। ज्योति सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सीईटी की परीक्षा को लेकर बेहतरीन इंतजाम किए थे। परीक्षार्थियों को निशुल्क बस सेवा प्रदान की गई। परीक्षा केंद्र के बाहर संस्थाओं द्वारा छबील लगाई गई।

नवग्रह कुण्डों के सौदर्यकरण एवं कब्जा छुडवाने को लेकर केडीबी को सौपा ज्ञापन

कैथल । नवग्रह कुण्डो के सौदर्यकरण एवं कब्जा छुडवाने को लेकर अखिल भारतीय हिन्दू महासंघ ने अभिन चलाया है। इसे लेकर वे कैथल के कुछ सदस्यों के साथ कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड के वरिष्ठ उप अधिकारी अमन कुमार से मिले। उन्होंने बताया कि नवग्रह कुण्डो के बाकि बचे 5 कुण्डों का सौदर्यकरण एवं बाकि 4 कुण्डों जिस पर नाजायज कब्जा हो चुका है उसको छुडवाने के लिए ज्ञापन पत्र सौपा। हमारे भारतवर्ष में यह सभी नवग्रह कुण्ड केवल कैथल के माता गेट, सीवन गेट एवं क्योडक गेट पर स्थित है। यह नवग्रह कुण्ड नौ ग्रहों पर भगवान श्री कृष्ण के आदेश पर महाराज युधिष्टिर द्वारा दोनो तरफ के मारे गए यौद्धाओं की आत्मायांति के लिए बनवाए थे। जैसा कि बृहस्पति कुण्ड, बुध कुण्ड, शनि कुण्ड, सूर्य कुण्ड तथा शुक्र कुण्ड ये पांचो कुण्ड जिंदा तो है परंतु हालत बहुत बुरे है जिनको सौदर्यकरण की सख्त जरूरत है। परंतु बाकि 4 कुण्ड केतु कुण्ड (कुम्हार वाला), राहु कुण्ड (तानु वाला) भौम कुण्ड (अरणी वाला) चन्द्र कुण्ड (सौम कुण्ड) इन चारो कुण्डो पर 30-40 सालों से नाजायज अनाधिकृत कब्जा हो चुका है।

गांव कौल की अनाज मंडी में चला सफाई अभियान

ढांड। गांव कौल की अनाज मंडी में 2 अगस्त को होने वाले बादली बलिदान दिवस को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में शनिवार सुबह 6 बजे से 10 बजे तक मंडी परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में पूंडरी विधायक सतपाल जांबा, जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल, सरपंच प्रतिनिधि नरेश आढ़ती, समाजसेवी रामपाल सागवान,व भिन्न भिन्न गांवों के सरपंचों सहित। दर्जनों गणमान्य लोग शामिल हुए। विधायक सतपाल जांबा ने कहा, "जो कमेटी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी है, मैं उन्हें दिल से धन्यवाद देता हूं। आज कमेटी व सभी ग्रामीणों के सहयोग से अनाज मंडी को साफ-सुथरा बना दिया गया है। मैं स्वयं प्रतिदिन सुबह 6 बजे अपनी टीम के साथ निकलकर किसी न किसी गाँव। में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण करता हूं और फिर लोगों की जन समस्याएं सुनता हूं। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन कर्मबीर कौल ने कहा, "आज का सफाई अभियान इस बात का उदाहरण है कि समाज जब एकजुट होता है, तो कोई भी कार्य असंभव नहीं होता।

शहीदों की शहादत को रखें याद : सुरभि

कैथल। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हरियाणा शहीद स्मारक पार्क रोड कैथल में उपायुक्त कैथल प्रीति, एसडीएम गहुला कैप्टन परमेश कुमार एचसीएस, डीआईपीआरओ नसीब सैनी कैथल प्रशासन की ओर से सुरभि गर्ग चेयरपर्सन नगर परिषद कैथल, सोनिया वाइस चेयरमैन जिला परिषद कैथल शासन से एवं पूर्व सैनिकों की तरफ से कर्नल असीमू ट्वीन, वायु थल व जल सेना बीएसएफ के सभी पूर्व सैनिकों ने एवं उनके परिवारों ने मिलकर अपने सर्वोच्च बलिदानियों को बहुत भारी संख्या में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके लिए एसोसिएशन सभी का तहे दिल से आभार व्यक्त करती है। बलिदानियों की याद में कार्यक्रम बिल्कुल एक सैनिक अनुशासन में रहकर चला, इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त कैथल प्रीति, चेयरपर्सन सुरभि गर्ग के द्वारा पुष्प चक्कर अर्पित किया गया सभी पूर्व सैनिक परिवारों ने श्रद्धांजलि दी, 2 मिनट का मौन रखा गया।

वीडियो कॉल रिकॉर्ड कर 126548 रुपये ठगे

कैथल। साइबर ठगों द्वारा एक व्यक्ति की व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल रिकॉर्ड करते हुए उसे ब्लैकमेल कर 126548 की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। कैथल के सेक्टर 18 के मनोज कुमार ने साइबर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 7 जुलाई को एक व्यक्ति द्वारा उसके व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल रिकॉर्ड करते हुए उसे ब्लैकमेल कर 126548 की धोखाधड़ी की।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत

कैथल। ढांड में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। बरेटा मंडी के सौरभ कुमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 23 जुलाई को जब विनोद कुमार कुरुक्षेत्र रोड ढांड से गुजर रहा था तो एक अज्ञात वाहन चालक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया जिस कारण उसकी मौत हो गई। मामले के जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान ने किया संस्कार शाला का आयोजन

ध्यान सत्र, नैतिक कहानियां, योग और आत्म-संयम की विधियां संस्कारशाला के रहे मुख्य आकर्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के द्वारा आर के एस डी कालेज सामने प्रोफेसर कालोनी कैथल में एक दिवसीय "संस्कार शाला" का आयोजन किया गया। मंथन संपूर्ण विकास केंद्र संस्थान की ओर से चलाया गया ऐसा क्रांतिकारी प्रकल्प है जो भावी पीढ़ी को आध्यात्मिक, सामाजिक एवं बौद्धिक स्तर पर पोषित करने के लिए कटिबद्ध है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना, और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को पुनः जाग्रत करना है। आज के युग में जहां आधुनिकता के प्रभाव से जीवनशैली में गिरावट आई है, वहां संस्कार शाला जैसे कार्यक्रम मृतप्राय हो चुके नैतिक मूल्यों के लिए संजीवनी की तरह कार्य कर रहे हैं। संस्कार शाला में उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए साध्वी प्रीति भारती व कंचन भारती बहन जी ने कहा कि प्रत्येक बालक की एक स्वाभाविक प्रतिभा होती है और उस प्रतिभा को अनदेखा करके बालक को किसी और क्षेत्र में प्रवृत्त करना ही माता पिता की सबसे बड़ी भूल है। क्योंकि ये आवश्यक नहीं है कि जो बालक पढ़ाई में अच्छा नहीं है तो वह सफलता की प्राप्ति नहीं कर सकता। जैसे सचिन तेंदुलकर क्रिकेट खेल में और लता मंगेशकर संगीत के क्षेत्र में आदर्श रूप में प्रतिष्ठित हुए हैं। संगीत, गायन, नृत्य, चित्रकारी, खेल कूद, अभिनय इत्यादि जिस क्षेत्र में भी बालक का अधिक रुझान हो, माता पिता को चाहिए कि बालक की प्रतिभा को निखारने के लिए प्रयासरत रहें। वैदिक मंत्रोच्चारण, ध्यान सत्र, नैतिक कहानियाँ, योग व आत्म-संयम की विधियां संस्कार शाला के मुख्य आकर्षण रहे। संस्थान की प्रचारक साधवी बहनों ने बच्चों को आत्म-चेतना, राष्ट्रभक्ति, और सदाचार की ओर प्रेरित किया। संस्कार शाला के दौरान बच्चों के लिए कुछ मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया।

संस्कार शाला के दौरान विद्यार्थी व पदाधिकारी फोटो : हरिभूमि

नवीन जिंदल ने सोलर सिस्टम लगवाने के लिए दिया 11 लाख का चेक

कैथल। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में एक समान विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। हर वर्ग के पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। देश के विकास में सरकार और आम जनता के साथ-साथ सामाजिक धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग है। यदि सभी आपस में मिलजुल कर कार्य करेंगे तो देश तेजी से विकसित होगा। सांसद नवीन जिंदल गुरु तेग बहादुर सेवादल संस्था के सदस्यों से मुलाकात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गुरु तेग बहादुर से बादल को सोलर सिस्टम लगवाने के लिए 11 लाख की सहायता राशि का चेक भी सौंपा। सांसद जिंदल ने कहा कि गुरुओं और संतों कि इस भूमि पर विशेष कृपा रही है। इस अवसर पर गुरु तेग बहादुर सेवादल के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने कहा कि बिजली की समस्या को दूर करने के लिए संस्था के सदस्यों ने सांसद नवीन जिंदल से मिलकर सोलर सिस्टम लगवाने की मांग रखी थी।

भारतीय जनता पार्टी का संगठन निरंतर सशक्त और गतिशील : ज्योति सैनी

कैथल। भारतीय जनता पार्टी कैथल जिले की एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन लखनपाल होटल, पार्क रोड स्थित कैथल में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा कैथल जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, वरिष्ठ भाजपा नेता रामप्रताप गुप्ता, तथा जिला महामंत्री सुरेश संधू व जिला मीडिया प्रभारी हिमांशु गोयल एडवोकेट भी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी ने सभी नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों, मण्डल प्रभारियों, जिला कार्यकारिणी सदस्यों एवं अभियान प्रमुखों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी नवनियुक्त साथी संगठनात्मक दायित्वों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा भारतीय जनता पार्टी के विचारों एवं योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

छात्राओं ने झूलकर तीज का आनंद उठाया

राजौंद। किठाना पब्लिक स्कूल में पारंपरिक उत्सव तीज को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया और झूले लगाए गए, जिनपर छात्राओं ने झूलकर तीज का आनंद उठाया। कार्यक्रम की शुरुआत भाषण प्रतियोगिता से हुई, जिसमें छात्रों ने प्रभावशाली वक्तव्य प्रस्तुत किए। इस दौरान मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए सुंदर और पारंपरिक डिजाइन बनाई। सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर गीत-संगीत और नृत्य का भरपूर आनंद लिया। पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल छाया रहा। सभी ने एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं।

खबर संक्षेप

हरियाली तीज एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

उचाना। राजकीय मॉडल संस्कृत सीनियर सेकेंडरी स्कूल उचाना कलां में बालिका मंच के तत्वावधान में हरियाली तीज पर्व के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कक्षा 12वीं की स्नेहा, द्वितीय स्थान पारूल (कक्षा 12वीं) और तृतीय स्थान गुलशना (कक्षा 10वीं) ने प्राप्त किया। प्राचार्य अशोक कुमार ने विजेता छात्राओं को बधाई दी।

वरिष्ठ नागरिकों ने बच्चों से पौधरोपण करवाया

जींद। वरिष्ठ नागरिक फोरम की महिला विंग व अन्य सदस्यों ने स्कूल के दिव्यांग बच्चों और स्टाफ के साथ बैठ कर दैनिक गतिविधियों पर चर्चा की। दो मूक व बधीर बच्चों ने अपने डांस से सभी का मन मोह लिया। प्रधान डा. एके चावला ने स्टाफ द्वारा विशेष बच्चों की देखरेख व प्रशिक्षण में कठिन परिश्रम की प्रशंसा की। संयोजक सुभाष पाहवा ने बच्चों के साथ पौधरोपण और उस के लाभ व दैनिक जीवन पर इन के प्रभाव पर साधारण शब्दों में वार्तालाप किया। दर्शन सिंगला, ने पौधों की देखभाल के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया। सदस्यों द्वारा बच्चों को उपहार भी बांटे गए। इस अवसर पर सरोज जैन, कांता मित्तल, चमनलाल ग्रोवर, वीरेंद्र लाठर, जोगिंदर सिंह पाहवा, देशराज सेतिया उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का रैली में दिया संदेश

उचाना। शिरडी सांई स्कूल डोहानाखेड़ा में एसएमओ डा. सुशील गर्ग के निर्देशानुसार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम का आयोजन किया। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को लेकर प्रेरणा देने वाले नाटकए कविता प्रस्तुत की। गांव में जागरूकता रैली निकालते हुए बेटियों को पढ़ाने के साथ.साथ सामाजिक बुराईयों से बचने का संदेश भी दिया। वक्ताओं ने कहा कि मां की कोख में बेटी को मारने वाले पाप के भागीदारी बनते है। इस मौके पर स्वास्थ्य कर्मी संदीप कुमार, शिव कुमारी, शोभा, सुखचैन, कविता, गीता, दिलबाग, स्कूल संचालक मदन लाल जेई, प्रिंसिपल सत्यवान शास्त्री, पूर्व उचाना ब्लॉक प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन प्रधान अनिल कुमार मौजूद रहे।

नागरिक अस्पताल के एमरजेंसी वार्ड का होगा विस्तार

एमरजेंसी में 10 की बजाय मिलेगी 20 बेड की सुविधा

महानिदेशक ने चिकित्सा अधिकारियों के साथ की बैठक, मरीजों को होगा फायदा, एमरजेंसी में मजबूत होगी व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। नागरिक अस्पताल का एमरजेंसी वार्ड, जिसे 20 बैड का किया जाएगा। *फोटो : हरिभूमि*

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए एमरजेंसी वार्ड का विस्तार किया जा रहा है। अब इस वार्ड में पहले की 10 बेड की क्षमता को बढ़ा कर 20 बेड किया जाएगा। इस कदम से आपातकालीन स्थिति में मरीजों को त्वरित और बेहतर उपचार मिल सकेगा।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार इस विस्तार से मरीजों को समय पर ईलात और बेड की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। जिससे मरीजों की परेशानियां कम होंगी। इसके लिए ड्राइंग तैयार कर ली गई है और एमरजेंसी वार्ड के पीछे के कमरों का चयन किया गया है। अधिकारियों की विजिट के साथ ही तुरंत प्रभाव से एमरजेंसी को बढाने का कदम उठा दिया जाएगा। वहीं महानिदेशक ने निजी होटल में बैठक कर सार्थक टीम से अस्पताल की विजिट का फीड बैक लिया।

अगले 15 दिन में एमरजेंसी में दो गुणा होगी बेड़ों की संख्या

हेल्थ मिशन (एनएचएम) के स्वास्थ्य सेवाएं निदेशक डा. वीरेंद्र यादव ने कहा कि आने वाले आगामी 15 दिनों में दस बेड की एमरजेंसी वार्ड को बढाया जाएगा। कई बार वार्ड में भीड़ हो जाती है, तो इसके बचने के लिए एमरजेंसी को बढाने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले तीन दिन से सार्थक टीम लगातार जींद में अस्पतालों का विजिट कर रही है। जिसमें प्रयास होता है कि जांच की जाए। लगातार जिला अस्पताल का निरीक्षण किया गया है।

महानिदेशक ने स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया फीडबेक

स्वास्थ्य महानिदेश के निर्देशन में निजी होटल चिकित्सा अधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में सार्थक टीम को जो भी अच्छाइयां व कमियां मिली, उसकी प्रेजेंटेशन की जाएगी। चिकित्सा अधिकारियों से सवालों व जवाबों का आदान प्रदान किया गया। कमियां जिलास्तर या हेडक्वार्टर स्तर से हैं तो इनकी मदद कैसे की जा सकती है, उस पर मंथन हुआ। वहीं अस्पताल की जो अच्छाइयां मिली हैं, उसकी अन्य जिलों के अस्पतालों से अवगत करवाया जाएगा।

जल्द होगा एमरजेंसी का विस्तार : डा. राजेश भोला

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि जल्द ही एमरजेंसी वार्ड को बढाने का काम किया जाएगा। नागरिक अस्पताल में जल्द ही एमरजेंसी सेवाएं पहले से भी सुदृढ़ होने जा रही हैं। जींद को नई भर्ती से जो 18 चिकित्सक मिले हैं। इनमें से आठ चिकित्सकों ने ज्वायन किया है, उन्हें एमरजेंसी वार्ड में सेवाओं पर लगाया जाएगा।

हरियाली तीज मौज मस्ती का नहीं, भोले पार्वती के पवित्र पुनर्वास का धार्मिक उत्सव

- अग्रोहा धाम की नरवाना महिला इकाई ने मनाया तीज महोत्सव।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। तीजोत्सव मनाते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

अग्रोहा धाम ट्रस्ट की नरवाना महिला इकाई द्वारा नेहरू पार्क के सामने होटल सालविया में हरियाली तीज का महोत्सव बड़े शानदार तरीके से आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी की पत्नी शांति बेदी व भारत तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय सहमंत्री व अग्रोहा धाम ट्रस्ट के प्रांत प्रचार मंत्री राजेंद्र गुप्ता अमरगढ़ वाला ने अध्यक्षता की। डॉ. कुसुम राणा चंडीगढ़ और नारायण सेवा समिति नरवाना से राजेंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अग्रोहा महिला मंडल की अध्यक्ष नीलम बंसल की अगुवाई में संस्था की उपप्रधान सुमन गोयलए रचना गोयल सचिवए रेखा मित्तल कैशियरए निशा जिंदलए नेहाए संजनाए मंजूए ममताए डिंपलए रीटा आदि ने अपनी मेहनत से कार्यक्रम को भव्य रूप देकर सफल किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के आयोजन किए गए। विभिन्न प्रकार के खानपान की व्यवस्था रही। मुख्य अतिथि शांति बेदी ने अग्रोहा मंडल की महिला अध्यक्ष समेत सभी को बधाई दी और आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम समय.समय पर करने के लिए प्रेरित किया और उनका हौसला बढ़ाया।

चहुंओर निराशा का माहौल, बढ़ रही अपराधिक घटनाएं : शिबु जिंदल

- भाजपा सरकार अपनो की अनदेखी कर दूसरे राज्यों के युवाओं को दे रही रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

शिबु जिंदल।

अखिल भारतीय युवा अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश सलाहकार शिबु जिंदल ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण प्रदेश में चारों तरफ अराजकता का माहौल बना हुआ है। रोजगार के लिए युवा मारे-मारे फिर रहे हैं। दूसरे राज्यों के युवाओं को नौकरी दी जा रही है। जो कि प्रदेश के युवाओं के भविष्य के लिए घातक है। हर रोज हत्या, लूट डकैती, फिरौती की वारदात हो रही है। चारों तरफ अराजक्ता का माहौल बना हुआ है। आमजन भी खुद को सुरक्षित महसूस नही कर रहा है। काम धंधे ठप पड़े हुए हैं। लोगों को पोर्टलों में उलझाया हुआ है। सरकारी कार्यालयों में बिना सुविधा शुल्क के काम नही हो रहा है। अधिकारी खुद को सेवक की बजाए जनता का बॉस बन कर मनमानी कर रहे हैं। जिससे लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। भाजपा सरकार लोगों को व्यवस्था और सुरक्षा देने में पूरी तरह से फेल साबित हो रही है। लोगों को सुविधाएं देने की बजाये लाइनों में खड़ा कर दिया है। लोगों की जिंदगी ऐसे कार्यों में उलझ कर रह गई है। जिसका परिणाम केवल निराशा और कुंठा के रूप में मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलता तो वे अपनी जान हथेली पर रख कर अवैध तरीकों से विदेशों में नही जाते। अपनी पुश्तैनी जमीन और धरोहर अपने घर के गहने नही बेचते। सरकार कभी रोजगार के दरवाजे खोलती है तो उसमें दूसरे राज्यों के युवाओं को अवसर दिया जाता है। अगर कोई भाजपा के खिलाफ आवाज उठाता है तो उसकी आवाज को सत्ता की ताकत के बल पर दबा दिया जाता है।

कारगिल विजय दिवसः देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित

- ओम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल दरोली खेड़ा में कार्यक्रम का आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। कारगिल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम।

ओम इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल दरोली खेड़ा में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यालय की ओर से वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शुरुआत देशभक्ति गीतों और छात्र व छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य के माध्यम से हुईए जिसने वहां उपस्थित सभी लोगों को देशभक्ति के भाव से भर दिया। विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध के शौर्यगाथा पर आधारित प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किएए जिनमें उन्होंने कारगिल युद्ध के महत्वए वीर जवानों के साहस व बलिदान पर प्रकाश डाला। प्रधानाचार्या डिंपल अरोड़ा ने कहा कि कारगिल विजय दिवस सिर्फ एक जीत नही बल्कि हमारे जवानों की असाधारण वीरताए संकल्प और देशभक्ति की कहानी है। हमें अपने छात्रों में यही मूल्य बचपन से ही रोपित करने चाहिए। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को देशप्रेम बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा का महत्व समझाना था। जिसे बच्चों ने पूरे उत्साह व समर्पण के साथ आत्मसात किया।

नरवाना। विभागाध्यक्षों की बैठक लेते प्रिंसिपल जसवंत सिंह।

राजीव गांधी राजकीय बहुतकनीकी कालेज में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर हुई परिचर्चा

नरवाना। भारत सरकार द्वारा 3 अक्टूबरए2024 को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की शुरुआत की गई थी। भारत सरकार की इस दुरदर्शी योजना के तहत अगले 5 वर्षों में एक करोड़ भारतीय युवाओं को भारत सरकार की शीर्ष कम्पनियों में 12 महीने का सशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना है।2024.25 पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चलाया जा रहा है और 1ण्25 लाख युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है। इस योजना के तहत राजीव गांधी राजकीय बहुतकनिकी कालेज में 17.7.2825 को एक मिटिंग ली गई थी जिसमें इस योजना को पूर्णतया अमल में लायें जाने के बारे में विचार.विमर्श किया गया था। इसी संदर्भ में 25 जुलाई को प्राचार्य जसवंत सिंह द्वारा सभी विभागाध्यक्षों की एक बैठक ली गई जिसमें इस योजना को पूर्णतया अमल में लायें जाने के बारे में विस्तार से समझाया गया।

आर्यन स्कूल हथो में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन

- स्कूल के विद्यार्थियों ने सावन के गीतों पर दी अपनी प्रस्तुति, प्राचार्या तृप्ता ने दी बधाई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए बच्चे।

आर्यन पब्लिक स्कूल हथो में हरियाली तीज महोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने सावन से संबंधित गीतों पर अपनी प्रस्तुति देकर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। कक्षा आठवीं की जिया, माही, रितिका व पायल ने राजस्थान की संस्कृति से संबंधित प्रस्तुति दी। साथ ही दूसरी कक्षाओं के छात्र एवं छात्राओं ने भी सावन से संबंधित गीतों पर अपनी बेहतरीन प्रस्तुति दी जोकि बहुत ही ज्यादा प्रशंसनीय थी। तीज के इस सुनहरे अवसर पर विद्यालय में झूले सजाए गए और नन्हे.मुन्ने बच्चों को झुलाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक समिति के सदस्य वीरेंद्र गर्ग व प्रधानाचार्या तृप्ता कौशिक उपस्थित रही। बच्चों को तीज का महत्व बताते हुए हर वर्ष इसी तरह तीज के त्योहार को बहुत ही हर्ष व उल्लास के साथ मनाने की कामना की। स्कूल में स्वादिष्ट व लजीज व्यंजनों की स्टाल लगाई गई। जहां से विद्यार्थियों ने अपनी इच्छा अनुसार पैसे देकर अपनी पसंद के लजीज व्यंजनों का आनंद लिया।

श्री श्याम बाल वाटिका में तीज उत्सव करगिल विजय दिवस धूमधाम से मना

- बच्चों ने हरियाणा और पंजाब की संस्कृति की झलकियां प्रस्तुत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

श्री श्याम बाल वाटिका समूह के तीनों विद्यालयों में आज तीज उत्सव और करगिल विजय दिवस दोनों का आयोजन हर्षोल्लास और सांस्कृतिक भव्यता के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को हरियाली और देशभक्ति की सजावट से सजाया गया था। बच्चों और स्टाफ ने हरे रंग के परिधान पहनकर जहां तीज का उत्सव मनाया वहीं करगिल के वीर शहीदों को नमन कर देशप्रेम की भावना व्यक्त की। इस अवसर पर हरियाणा और पंजाब की संस्कृति की झलकियां प्रस्तुत की गईं। चूल्हे पर रोटी बनाती महिलाओंए कुएं से पानी भरती युवतियों और पीढ़ा पर बैठकर गेहूं साफ करती झांकियों ने सबको गांव की याद दिला दी। नन्हे बच्चों ने झूले झूलकर उत्सव का आनंद लिया और हरियाणवी.पंजाबी पोशाकों में सजे बच्चों ने लोकनृत्य कर समां बांध दिया।

वहीं करगिल विजय दिवस के मौके पर बच्चों ने देशभक्ति गीत गाएए वीरता से ओतप्रोत कविताएं सुनाईं और प्रेरणादायक एक्ट प्रस्तुत किए। इस दौरान भारत रत्न डॉण् एण्पीण्जेण् अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

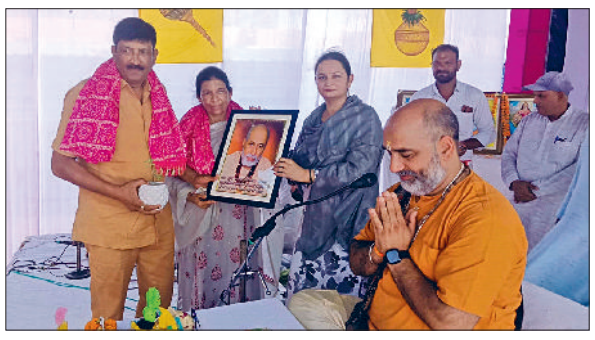

उचाना। समाज सेवी सुरेंद्र जैन को सम्मानित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा: स्वामी चंद्रकांत

उचाना। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी गणेशानंद महाराज धर्मार्थ न्यास उचाना कलां द्वारा संचालित बाबा दूधाधारी हरि गिरि गौशाला उचाना मंडी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय गौ कथा कार्यक्रम का आयोजन करवाया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजक नीरज नागपाल सहमंत्री हिंदू शिक्षा समिति कुरुक्षेत्र, विनोद वशिष्ठ शिक्षा निदेशक यजुवेंद्र सिंह कादयान प्रशासक, डा. राजपाल सुरा गौशाला निदेशक हैं। 27 जुलाई तक गौ कथा सुबह तीन से छह बजे तक गौशाला प्रांगण में हो रही है। कथावाचक गौसेवक स्वामी चंद्रकांत महाराज द्वारा गायों का जीवन में महत्व के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। स्वामी चंद्रकांत ने कहा कि हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा है। गाय की पूजा से पुण्य की प्राप्ति होती है। गाय के अंदर देवी, देवता वास करते है करते है। भगवान कृष्ण गायों की सेवा किया करते थे इसलिए उन्हें ग्वाला भी कहा जाता है।

संतमत धारा सेवा समिति ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

- केवल पेड़ लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी रक्षा करना भी जरूरी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। पौधे रोपते हुए प्रधान सेवादार सूर्यदास। *फोटो :हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मुख्य कार्यकर्ता थांबूराम, रमेश चंद, हरजीत सिंह, ओमप्रकाश, सालिक राम, सत्यवान, कर्मचंद, रामअवतार, नितिन, मोनू, कृष्ण, नीलम देवी, सीमा देवी, बाला देवी, भतेरी देवी, राजबाला, अंजू, चंचल व अन्य मौजूद रहे।

संतमत धारा सेवा समिति प्रांगण में प्रधान सेवादार सूर्यदास द्वारा त्रिवेणी व अन्य पौधे लगाए गए। उन्होंने सभी को यह भी संदेश दिया के वृक्षों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। बिना वृक्षों के धरती पर जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। वृक्ष हमें ऑक्सीजन देते हैं जो हर प्राणी के जीवन का आधार है। प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षों का ध्यान रखना चाहिए। हमारी प्रकृति की सुंदरता पेड़-पौधों पर निर्भर है। मनुष्य के जीवन में पेड़ों का महत्व जल बिन मछली जैसा है। पेड़ों से हमें छाया, मीठे फल, औषधि, लकडिय़ां प्राप्त होती है। पेड़-पौधे हमें प्राकृतिक आपदाओं से बचाओं से बचाते हैं। मनुष्य कार्बन-डाइ-ऑक्साइड छोड़ते है, जो पौधे सोख लेते है। पेड़ पौधों से ही पर्यावरण सुरक्षित हो सकता है।

हिसार की युवती से जींद में दुष्कर्म, ब्लैकमेल करने और मारपीट करने के भी लगाए आरोप, केस दर्ज

जींद। युवती से दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना वायरल करने की धमकी देकर दो साल तक यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। आरोपित ने पीड़िता की वीडियो भी वायरल कर दी। पीडिता ने आरोपित के मां व बाप से आपत्ति जताई तो उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। महिला थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हिसार की युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी जींद निवासी सोमबीर से जान पहचान रही है। सोमबीर उसे 23 मई 2023 को रानी तलाब के निकट होटल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपित ने उसकी अश्लील वीडियो तथा फोटो बना ली। जिसके बाद आरोपित ने वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करते हुए उसका यौन शोषण करना शुरू कर दिया। गत 21 जुलाई को भी आरोपित ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसने विरोध किया तो आरोपित ने उसके साथ मारपीट की। जिसके बारे उसे उसने आरोपित के माता-पिता को अवगत करवाया तो उन्होंने बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपित सोमबीर, पिता आजाद, उसकी मां के खिलाफ दुष्कर्म करने, यौन शोषण करने, आईटी एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। महिला थाना प्रभारी मोनिका ने बताया कि हांसी पुलिस से जीरो एफआईआर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

- पहली बार 2023 में रानी तालाब के पास होटल में किया दुष्कर्म।

विधायक ने अधिकारियों को दी चेतावनी, काम के लिए न कटवाएं चक्कर

ऐसा हुआ तो फिर व्यक्ति नहीं, अधिकारी ही काटेगा चक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। जनसमस्याओं को सुनते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि उचाना हलके का व्यक्ति अगर एक काम को लेकर दोबारा उनके पास आया तो उसके बाद उस व्यक्ति को नहीं बल्कि संबंधित विभाग के अधिकारी को चक्कर मारने पड़ेंगे। जो काम होने के है वो काम एक बार में हलके के लोगों के अधिकारी करें। जो व्यक्ति उनके पास समस्या लेकर आया उसको लेकर संबंधित अधिकारी को एक बार कहने के बाद भी अगर दोबारा चक्कर उस व्यक्ति को लगवाया तो समझो आगे से उस व्यक्ति को नहीं बल्कि उस अधिकारी को चक्कर काटने पड़ेंगे। जो काम होने के होते है उस बारे में जो व्यक्ति आता है उसको बताते है लेकिन जो नहीं होने के होते उसके बारे में भी बताते है। इसलिए अधिकारी जो काम होने को हो वो एक बार में ही करें ताकि भविष्य में अधिकारियों को चक्कर न काटने पड़े। बीते दिनों सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा खुले मंच से कहा था कि अगर कोई व्यक्ति किसी काम को लेकर दोबारा चंडीगढ़ आया तो उस व्यक्ति को नहीं आगे से अधिकारियों को चक्कर काटने पड़ेंगे। सीएम नायब सिंह सैनी कथनानुसार अब विधायक भी ऐसे अधिकारियों पर आने वाले दिनों में सख्त नजर आएंगे जो लोगों के कामों को लेकर चक्कर कटवाते मिलेंगे। अत्री ने कहा कि उचाना हलके के लोग उनके परिवार की तरह है। निरंतर लोगों की समस्याओं में वो लगे रहते है। उनका हरदम प्रयास रहता है कि लोगों की जो समस्याएं है उनका समाधान जल्द से जल्द हो। उचाना हलके को विकास के मामले में नंबर वन पर लेकर जाएंगे। विकसित उचाना का जो वायदा हलके के लोगों से किया था वो सीएम नायब सिंह सैनी के माध्यम से पूरा करने का काम करेंगे। सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के तहत विकास की रफ्तार को बढ़ाने का काम करेंगे।

2014 से पहले जो सरकार प्रदेश में थी उस सरकार में एक जिले तक विकासए रोजगार को समेट कर रख दिया था। 2014 में बनी भाजपा की सरकार के बाद समान विकास की सोच के तहत विकास के काम हुए तो मेरिट के आधार पर रोजगार युवाओं को मिला। आज युवाओं को किसी सिफारिश नहीं बल्कि नौकरी लगने के लिए पढ़ाई करने की जरूरत है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 27 जुलाई 2025

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

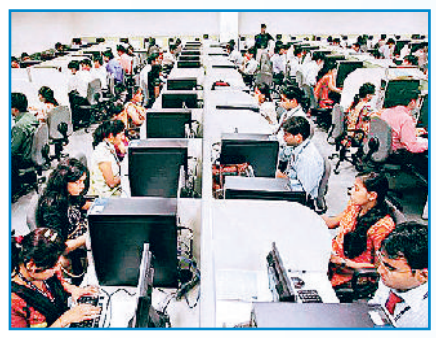

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

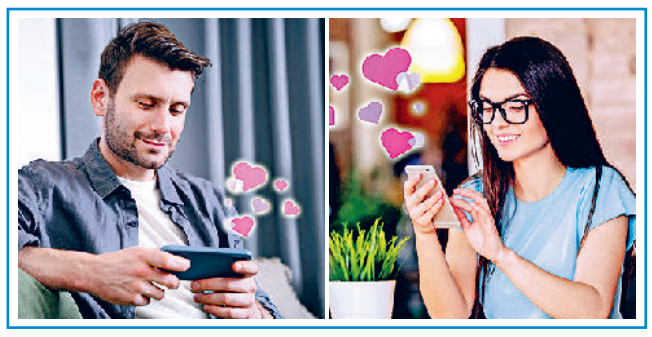

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
संपादक: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

अमेरिकन रेन डांस

बन बंग फाई, थाइलैंड

वर्षा के लिए प्रार्थना करते तिब्बती बौद्ध भिक्षु

वोडू वर्षा नृत्य, हैती

इन दिनों अपने देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून सक्रिय है, खूब बारिश हो रही है। लेकिन कई बार समय पर बारिश नहीं होती है। देश, दुनिया के कई हिस्सों में बारिश न होने पर उसके आह्वान को लेकर कई परंपराएं प्रचलित हैं। यहां बता रहे हैं कुछ ऐसी ही अजब-अनूठी परंपराओं के बारे में।

बहुत अजब-अनोखी हैं दुनिया में बारिश के आह्वान की रस्में

ट्रेडिशंस
शिखर चंद जैन

एक तरफ जहां अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में लोग भगवान से बारिश रोकने की प्रार्थना करते हैं, वहीं बारिश की कमी वाले दुनिया के कई देशों में लोग बारिश के लिए बादलों, देवताओं और ईश्वरीय शक्तियों का आह्वान करते हैं। इसके लिए तरह-तरह की धार्मिक रीतियों का पालन करते हैं।

अमेरिकी जनजातियों का वर्षा नृत्यः अमेरिका के मैदानी हिस्सों में रहने वाली कई जनजातियों के लोग वर्षा नृत्य करते हैं। यह वर्षा के आह्वान का प्राचीन अनुष्ठान है। इस अनुष्ठान में पारंपरिक पोशाक और पंखों वाले मुकुट या टोपी पहन कर, हाथों में चील के पंख लिए, घंटों तक एक घेरे में गाना, ढोल बजाना और नृत्य करना शामिल है। ऐसा माना जाता है कि वर्षा नृत्य से वर्षा के देवता खुश होकर वर्षा करते हैं।

बन बंग फाई (रॉकेट महोत्सव): थाईलैंड के इसान रीजन और उत्तर-पूर्वी थाईलैंड के कुछ इलाकों में हर वर्ष जून महीने में यह अनोखा रॉकेट त्योहार खेती के मौसम से ठीक पहले मनाया जाता है। इस त्योहार के दौरान ग्रामीण लोग और भिक्षु, बांस या लोहे के पाइप से रॉकेट बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इस उत्सव में मंदिर या आस-पास के अन्य इलाकों के चारों ओर एक जुलूस निकाला जाता है, जिसके बाद लोग आकाश में रॉकेट छोड़ते हैं। यह क्रिया 'फाया थाएन' नामक देवता को अर्पित की जाती है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मौसम के अनुसार बारिश का होना सुनिश्चित करते हैं।

आदिवासी बच्चों का मेंढक नृत्यः ऑस्ट्रेलिया देश के आदिवासी, हजारों सालों से मेंढक नृत्य करते आ रहे हैं। यह नृत्य शुष्क मौसम में किया जाता है, जब मेंढक शांत होते हैं। यह मेंढकों को जगाने और बारिश के आह्वान के लिए किया जाता है। इस नृत्य में मेंढकों की गतिविधियों की नकल करना, मेंढक जैसी आवाजें निकालना, शरीर पर रंग, जानवरों की खाल पहनना, भाले और बूमरैंग लेकर चलना शामिल होता है।

नांग मेव समारोहः थाईलैंड में ही बन बंग फाई के अलावा, थाई किसानों द्वारा देश के मध्य और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में वर्षा के आह्वान के लिए नांग मेव समारोह भी मनाया जाता है। जब बुवाई का मौसम आता है, तो किसान अपने गांवों या मंदिरों में नांग मेव (बिल्ली) की परेड निकालते हैं, इस उम्मीद में कि जब बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत हो, तब बारिश हो। ऐसा माना जाता है कि बिल्लियां बारिश से डरती हैं और अगर इस समारोह के दौरान कोई बिल्ली रोती है, तो इसका मतलब माना जाता है कि बारिश होने वाली है।

नांग मेव समारोह, थाईलैंड

केबो-केबोआनः इंडोनेशिया में केबो-केबोआन पारंपरिक समारोह मनाया जाता है। यह पूर्वी जावा के अलियान और अलस्मलांग गांवों में बान्यूवांगी लोगों द्वारा सदियों से मनाया जाता रहा है। यह समारोह बारिश, अच्छी फसल और शुष्क मौसम में आपदाओं से सुरक्षा की प्रार्थना के लिए किया जाता है। ग्रामीणों का मानना है कि इस परंपरा का पालन ईश्वर की कृपा के प्रति उनकी कृतज्ञता का प्रतीक है और उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए पूर्वजों की आत्माओं का आह्वान करता है। भैंसों को इस पारंपरिक समारोह का मुख्य प्रतीक माना जाता है क्योंकि वे किसानों की गतिविधियों और चावल के खेती से गहराई से जुड़े होते हैं। समारोह के दौरान, लोग भैंसों (केबो) की वेशभूषा धारण करते हैं और उनकी भूमिका निभाते हैं, क्योंकि इसमें कोई वास्तविक जानवर शामिल नहीं होता। समारोह की शुरुआत प्रार्थना और टुम्पेंग नामक व्यंजन खाने से होती है। टुम्पेंग, जीवन चक्र के प्रतीक माने जाने वाले, चावल के 12 शंकु के आकार के ढेरों से बना एक व्यंजन होता है।

भिक्षुओं द्वारा मंत्रोच्चारः जब भी सूखा पड़ता है या समय पर बारिश नहीं होती है तो तिब्बती भिक्षु, आकाश और जल के देवी-देवताओं से प्राचीन मंत्रों और प्रार्थनाओं का जाप शुरू कर देते हैं। भिक्षुओं का मानना है कि उनके जाप से वातावरण शुद्ध होता है और वर्षा के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनती हैं। यह जाप अकसर पर्वत शिखरों पर किया जाता है।

वोडू वर्षा नृत्यः हैती के लोगों में बारिश बुलाने का अनुष्ठान वोडू वर्षा नृत्य कहलाता है। यह सूखे के दौरान किया जाने वाला एक अनोखा नृत्य है। इसके जरिए कलाकार वोडू धर्म की पवित्र आत्माओं (लोआ) को बारिश के लिए आमंत्रित करते हैं। *

भारत में वर्षा संबंधी विभिन्न समारोह

वरुण यज्ञ अनुष्ठानः वरुण यज्ञ अनुष्ठान, वैदिक हिंदू वर्षा आह्वान अनुष्ठान है। यह आज भी भारत के कई हिस्सों में किया जाता है। यह अनुष्ठान सनातन धर्म में जल के देवता वरुण को समर्पित है। इसमें मंत्रोच्चार, अग्नि में आहुति देना और वर्षा हेतु प्रार्थनाएं शामिल होती हैं। यह अनुष्ठान आमतौर पर मानसून के मौसम में उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहां बरसात की कमी होती है।

अभिषेकम अनुष्ठानः दक्षिण भारत के किसान विशेष रूप से यह वर्षा-आह्वान अनुष्ठान अपनी उपज बढ़ाने के लिए, वर्षा की प्रार्थना हेतु करते हैं। यह अनुष्ठान हिंदू धर्म में वर्षा के देवता, भगवान इंद्र को समर्पित है। इसमें उनकी मूर्ति पर जल और दूध चढ़ाया जाता है। इसका उद्देश्य वर्षा के देवताओं को प्रसन्न करना और वर्षा लाना है। यह आमतौर पर गर्मी के महीनों में किया जाता है, जब वर्षा कम होती है।

मेंढकों का विवाहः देश के कई हिस्सों, विशेष रूप से उत्तर, मध्य-पश्चिमी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि के ग्रामीण और कई आदिवासी इलाकों में मान्यता है कि बारिश न होने पर अगर सामूहिक तौर पर मेंढक-मेंढकी का विवाह करवा दिया जाए तो बारिश होती है।

बढ़ती महंगाई के दौर में किसी एक नौकरी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय अगर आप पोर्टफोलियो करियर चॉइस अपनाते हैं, तो इससे आपके करियर ग्रोथ और इनकम के कई रास्ते खुल सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर, इसके ऑप्शंस और बेनिफिट्स के बारे में जानिए।

आज के दौर की जरूरत है पोर्टफोलियो करियर

प्रोफेशनल लाइफ / अंजू जैन

एक जमाना था जब लोग बड़े गर्व से बताते थे कि उन्होंने किसी एक ही बिजनेस फर्म या बड़ी कंपनी में नौकरी शुरू की और 35-40 साल तक काम करके वहीं से रिटायर हो गए। वो दौर पिछली सदी का था। तब किसी कंपनी में आप समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से काम करते थे तो आपको नौकरी खोने का इतना डर नहीं होता था। लेकिन अब बहुत कुछ बदल चुका है। कंपनियां जब ले ऑफ करती हैं तो कोई भी उसकी चपेट में आ सकता है। एंप्लॉई भी जहां ज्यादा सैलरी या अच्छा पैकेज देखता है, वहीं चला जाता है। दिनों-दिन बढ़ती कॉस्ट ऑफ लिविंग, शिक्षा और चिकित्सा पर बढ़ा हुआ खर्च आदि को देखते हुए एक जॉब पर पूरी तरह निर्भर रहना ना तो सुरक्षित है, ना बुद्धिमानी। आय के एक से ज्यादा स्रोत रखना और अपनी मल्टीपल प्रोफेशनल आइडेंटिटी रखना आज के वक्त की जरूरत है। इसलिए आपको भी पोर्टफोलियो करियर माइंडसेट के बारे में सोचना चाहिए।

पोर्टफोलियो करियर क्या हैः पोर्टफोलियो करियर यानी एक व्यक्ति द्वारा अपनी स्किल्स का प्रयोग करते हुए आय के कई स्रोतों की व्यवस्था करना। इसके अंतर्गत एक फुल टाइम जॉब के साथ-साथ या फिर बिना फुल टाइम जॉब के अलग-अलग कई काम किए जाते हैं। पोर्टफोलियो करियर में साइड हसल, एकाधिक पार्ट टाइम जॉब्स, साइड बिजनेस या फ्रीलांसिंग शामिल हैं।

उदाहरण के लिए एक नौकरीशुदा ग्राफिक डिजाइनर एक से अधिक व्यवसाइयों के लिए लोगो बना सकता है। एक अकाउंटेंट पूर्णकालिक रूप से एक फर्म में काम कर सकता है, साथ ही अपनी प्राइवेट प्रैक्टिस भी कर सकता है।

पोर्टफोलियो करियर के फायदेः पोर्टफोलियो करियर के कई फायदे होते हैं।

बैलेंस्ड पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफः पोर्टफोलियो करियर अपनाने वाले लोग अपनी सुविधानुसार टाइम टेबल और अपनी पसंद का काम चुन सकते हैं। इसमें अकसर घर से काम करने की छूट होती है, जिससे विभिन्न गतिविधियों, पारिवारिक जिम्मेदारियों या अन्य कामों के लिए आपको समय मिल जाता है। इससे आपको बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस प्राप्त करने में मदद मिलती है।

एक्सट्रा इनकमः पोर्टफोलियो करियर के साथ आप कई सोर्सेज से इनकम प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे में अगर आपको अचानक नौकरी से निकाल दिया जाता है, तब भी आपका सोर्स ऑफ इनकम बंद नहीं होगा।

नो बाउंडेशनः पोर्टफोलियो करियर के साथ आपको किसी खास तरह की नौकरी के बंधन में नहीं रहना पड़ता। आप अपनी रुचियों को समय देने और उन्हें पोषित करने वाले किसी करियर को परख और चुन सकते हैं। पोर्टफोलियो करियर आपको किसी भी चीज के लिए प्रतिबद्ध हुए बिना विभिन्न अनुभव प्राप्त करने का अवसर देता है।

पोर्टफोलियो करियर शुरू करें ऐसेः अपना पोर्टफोलियो करियर आप कुछ इस तरह शुरू कर सकते हैं।

प्रॉपर प्लानिंग बनाएंः अगर आप अपना पोर्टफोलियो करियर शुरू करने का फैसला करते हैं तो इसकी प्रॉपर प्लानिंग बनाएं और उस पर अमल करें। आप रेग्युलर करियर के साथ-साथ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं या फिर सिर्फ पोर्टफोलियो करियर भी अपना सकते हैं।

अपनी स्किल्स को समझेंः इसके लिए अपनी क्रिएटिविटी, स्किल्स और इंट्रेस्ट पर विचार करें ताकि आप यह निर्धारित कर सकें कि आप किस तरह के काम से इनकम के लिए इनका उपयोग करना चाहते हैं। इसके बाद ही उस दिशा में अपने कदम बढ़ाएं। इससे सफल होने के चांसेज काफी बढ़ जाएंगे।

लोगों के साथ नेटवर्क बनाएंः अपने पोर्टफोलियो करियर को विकसित करने के लिए आप अपने पुराने सहकर्मियों, सहपाठियों, दोस्तों और ग्राहकों के साथ फिर से जुड़ें। उन्हें अपने काम के बारे में बताएं। संभव है कि वे आपके लिए उपयुक्त अवसरों के बारे में बता सकें। वे आपको सलाह, संपर्क, सहायता या यहां तक कि काम भी दे सकते हैं। *

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक गंगा को भारतीय संस्कृति में पूज्य एवं जीवनदायिनी माना जाता है। इसका केवल धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी बहुत अधिक है। भारतभूमि की जीवनधारा गंगा के प्रवाह और महत्ता पर एक दृष्टि।

सभ्यता-संस्कृति की वाहक पुण्यसलिला-जीवनदायिनी गंगा

नदी गाथा
वीना गौतम

नदियों के किनारे ही संसार की सभी सभ्यताएं, संस्कृतियां विकसित हुई हैं, फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति लोगों की उदासीनता के कारण धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब तो नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ी को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फूलती-फलती रहे।

भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पहचानः गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी ही नहीं है। यह भारतीयता की पहचान और देश की जीवनरेखा भी मानी जाती है। भारतीय जनमानस में इस नदी के प्रति असीम श्रद्धा है। यह न केवल हमें जल प्रदान करती है बल्कि आस्था, सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव की भी वाहक है। देश की सबसे महत्वपूर्ण और पूज्यनीय नदी गंगा को भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि गंगा में सिर्फ पानी नहीं, एक समूची सभ्यता प्रवाहमान है।

गंगा नदी का प्रवाह तंत्रः गंगा नदी की उत्पत्ति हिमालय के गोमुख हिम नदी से होती है, जहां इसे भागीरथी कहा जाता है। प्रवाह के क्रम में अलकनंदा, जब इस भागीरथी में आ मिलती है, तो उसके बाद से इन दोनों नदियों का संगम गंगा कहलाने लगता है। गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 2525 किलोमीटर है। गंगा के बेसिन में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 26 प्रतिशत से ज्यादा भाग आता है। गंगा जिन अपनी सहायक नदियों के चलते देश की सबसे महान नदी बनती है, उन सहायक नदियों में यमुना, घाघरा, गंडक, कोसी और सोन नदी प्रमुख हैं। गंगा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है तथा अंत में बांग्लादेश में प्रवेश कर पद्मा के रूप में बंगाल की खाड़ी में गिर जाती है।

बसे हैं कई तीर्थस्थलः गंगा नदी देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों से होकर बहती है। साथ ही यह देश के कई पवित्र तीर्थस्थलों की पुण्य सलिला भी है। गंगा नदी के किनारे ही हरिद्वार, ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयागराज और गंगा सागर जैसे पवित्र तीर्थस्थल हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भारतीय सभ्यता के आधार हैं।

एक जीवंत भौगोलिक संसाधनः भौगोलिक दृष्टि से गंगा बहुत ही महत्वपूर्ण नदी है। गंगा घाटी का क्षेत्र भारत की सबसे उपजाऊ कृषि भूमि के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र में गंगा के जल से सिंचाई, जल परिवहन और पेय जल की लगभग समूची व्यवस्था बनती है, जो इसे एक जीवंत भौगोलिक संसाधन के रूप में बदलती है। गंगा घाटी क्षेत्र में बसने वालों के लिए गंगा सिर्फ एक नदी नहीं बल्कि जीवनधारा है।

धार्मिक-सांस्कृतिक महत्वः हिंदू धर्म में गंगा को केवल नदी या जलधारा नहीं माना जाता, बल्कि इसे माता, देवी और मोक्षदायिनी का दर्जा प्राप्त है। गंगा के जल को अमृत के तुल्य माना जाता है। इसलिए भारत के हर धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान में गंगा जल का इस्तेमाल होता है। यही नहीं, मोक्ष की कामना रखने वाले हर धार्मिक हिंदू की यह ख्वाहिश होती है कि उसकी मृत्यु के पश्चात उसके मुंह में गंगा जल की कुछ बूंदें डाली जाएं और उसकी चिता की राख को गंगा नदी में प्रवाहित किया जाए। आरंभ से लेकर आज तक गंगा भारतीय मानस में आस्था एवं श्रद्धा के रूप में प्रवाहित हो रही है। गंगा का उल्लेख वैदिक ग्रंथों से लेकर भारतीय साहित्य, कला, संगीत और लोककथाओं में व्यापक रूप से मिलता है। गंगा का उल्लेख हमारे राष्ट्रगान में भी मिलता है।

गंगा का आर्थिक महत्वः भारत का लगभग 40 फीसदी हिस्सा गंगा के बेसिन क्षेत्र में बसता है और यह क्षेत्र देश के कृषि, उद्योग और व्यापार की दृष्टि से सबसे समृद्ध है। गंगा का जल उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड के एक बड़े हिस्से में सिंचाई का सबसे बड़ा स्रोत है। गंगा, यमुना के दोआब की भूमि गेहूं, गन्ना और दलहन की खेती के लिए मशहूर है। हरित क्रांति की सबसे बड़ी प्रयोग भूमि यही गंगा का मैदान था।

गंगा के किनारे कोलकाता, कानपुर, भागलपुर, वाराणसी और पटना जैसे देश के कई औद्योगिक नगर बसे हैं। चमड़ा, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, बिजली संयंत्र, कागज उद्योग जैसे कई औद्योगिक संयंत्र स्थापित हैं। हाल के दशकों में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 परियोजना के तहत हल्दिया से वाराणसी तक जल परिवहन को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे गंगा सस्ते और एक पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन का भी आधार बन गई है।

चुनौतियां हैं कईः गंगा के समक्ष आज अनेक चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर किया जाना आवश्यक है। दरअसल, गंगा के जल पर दुनिया में सबसे ज्यादा जनसांख्यिकी दबाव है। जितने लोग गंगा नदी पर आश्रित हैं, उतने लोग दुनिया में किसी और नदी पर अपने जीवनयापन और सभी तरह की पहचान के लिए आश्रित नहीं हैं। इसलिए गंगा पर अतिरिक्त जन दबाव, औद्योगिक प्रदूषण, अपशिष्ट जल के साथ-साथ धार्मिक कर्मकांडों एवं प्रदूषण की भी मार है। गंगा नदी के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। नमामि गंगे मिशन जैसी योजना चलाई जा रही है। अनेक जलशुद्धि सयंत्रों की स्थापना की गई है। *

हिंदी फिल्में नायक, नायिका और खलनायकों के बॉलीवुड में अपने पैर जमाने में मदद करती रही हैं, एक बड़ी पहचान दी है। इसके साथ इनके पैरों का फिल्मों में बहुत ही करिश्माई अंदाज में फिल्मांकन हुआ, जिसने सस्पेंस, रोमांच, एक्शन, रोमांस क्रिएट करके फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में इंपॉर्टेंट रोल अदा किया है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

पर्दे पर पैरों का करिश्मा

सिने ट्रेंड
हेमंत पाल

हिंदी सिनेमा की शुरुआत से लेकर आज तक कई सितारों ने अपनी काबिलियत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अपने पैर जमाए। कई बार तो नायक-नायिकाओं के पैरों के फिल्मांकन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके पैर जमाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

फिल्म में हीरो से पहले उसके पैरों की एंट्रीः फिल्म 'फूल और पत्थर' में नायक धर्मेंद्र की एंट्री छोटे-छोटे पैरों से सड़क पर चढ़ते हुए और बड़े पैरों से सड़क से उतरते हुए थी, जिसे बहुत पसंद किया गया। इसके बाद तो कई फिल्मों में पैरों का शॉट दिखाकर नायक को बच्चे से बड़ा दिखाने के प्रयोग किए गए।

पैरों ने क्रिएट किया सस्पेंस-एक्शनः देव आनंद की 'ज्वेल थीफ' में भी पांव को लेकर सस्पेंस दिखाया गया। नायिका कहती है कि नायक के पैरों में छह अंगुलियां हैं, वह पैर दिखाए। लेकिन वह टालमटोल करता है, जिससे सस्पेंस बढ़ता जाता है। बाद में नायक जिस अंदाज से मौजे उतारता है, वह दृश्य देखने लायक होता है। फिल्म 'शोले' में हाथ कटे ठाकुर (संजीव कुमार) की असमर्थता तब शौर्य में बदल जाती है, जब फिल्म के क्लाइमेक्स में वह अपने पैरों में पहने कील लगे जूतों से गब्बर सिंह (अमजद खान) को मारता है। ठाकुर के पैर की हर ठोकर पर सिनेमा हॉल तालियों और सीटियों से गूंज उठता। 'शोले' में ही गब्बर सिंह को भी चट्टान पर बेल्ट लेकर घूमते दिखाया गया, तब कैमरा उसके पैरों पर ही फोकस होता है।

शम्मी कपूर की फिल्म 'चायना टाउन' में नायक के हमशक्ल के पैरों का आकार छोटा होने से कहानी में मोड़ आता है, तो सलीम जावेद ने 'यादों की बारात' में एक नया प्रयोग किया। इसमें खलनायक अजीत के दोनों पैरों के आकार में अंतर होता है। वह एक पैर में 9 नंबर और दूसरे पैर में 10 नंबर का जूता पहनता है। फिल्म के क्लाइमेक्स में जब टेबल पर अजीत के दोनों जूते दिखाए जाते हैं, तो फिल्म के नायक धर्मेंद्र उसे पहचान लेते हैं। इसके साथ ही फिल्म का रोमांच चरम सीमा पर पहुंच जाता है।

नायिकाओं के हसीन पैरः हिंदी फिल्मों में नायिका के हसीन पैरों पर भी कई आइकॉनिक दृश्य और गीत फिल्माए गए। फिल्म 'पाकीजा' में मीना कुमारी के पैरों की खूबसूरती ने खूब करिश्मा किया। बिना चेहरा देखे, रेल की सीट पर मीना कुमारी के पैर देखकर राजकुमार एक चिट्ठी छोड़ जाते हैं, जिस पर लिखा होता है 'आपके पांव देखे, बहुत हसीन हैं, इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा, मैले हो जाएंगे।'

याद कीजिए फिल्म 'शोले' का वो डायलॉग जिसमें गब्बर सिंह बसंती से कहता है 'जब तक तेरे पैर चलेंगे, उसकी सांस चलेगी। जब तेरे पैर रुके, तो ये बंदूक चलेगी।'

फिल्म 'मिस मेरी' में बचपन में बिछड़ी नायिका के पैरों की छह अंगुलियां, उसे अपने परिवार से मिलाती है तो 'नाचे मयूरी' में सुधा चंद्रन के नकली पैरों से नर्तकी बनने की कहानी कही गई।

जब नायिकाओं के पैरों की बात आती है, तो जाहिर है वह सुंदर तो होंगे ही। 'मेरे पांव में मेहंदी लगी है', 'आजकल पांव जमीं पर नहीं पड़ते मेरे', 'पांव छू लेने दो फूलों को इनायत होगी', जैसे कितने ही मधुर और सदाबहार गीत नायिका के पैर को ध्यान में रखकर रचे गए।

पैरों से उभारी गई संवेदनाः कई फिल्मों में नायक के पैरों को कुछ इस तरह प्रस्तुत किया गया, जिससे रोमांच के साथ-साथ संवेदना भी जगती है। मिसाल के तौर पर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'दोस्ती' को देखा जा सकता है। एक पैर से दिव्यांग और आंख की रोशनी खो चुके व्यक्ति की दोस्ती पर आधारित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लंबी दौड़ लगाते हुए उस समय की कई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया था। फिल्मों में गरीबी और मजबूरी दिखाने के लिए भी निर्माताओं ने कभी नायक को, कभी नायिका को तो कभी सहनायिका या सहनायक को पैरों से दिव्यांग बनाने का फार्मूला आजमाया। 'उपकार' का मलंग, 'हीर रांझा' का एक पैर से अशक्त मामा, 'सच्चा झूठा' और 'मजबूर' की पैरों से दिव्यांग बहन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसी तरह फिल्म 'शान' में चलने में अक्षम अब्दुल (मजहर खान) का मुखबिर का किरदार भी काफी लोकप्रिय हुआ था। *

'शोले' में अमजद खान के साथ संजीव कुमार

'उपकार' में मलंग के किरदार में प्राण

राजकुमार के पैर और सफेद जूते

याद कीजिए फिल्मों के वे सीन, जिनमें पर्दे पर हीरो से पहले उसके सफेद जूते दिखाए जाते थे और दर्शक जान जाते थे कि अब सीन में किसकी एंट्री होने वाली है। 'हमराज' और 'वक्त' में राजकुमार की जानदार एंट्री तो आपको याद ही होगी। इन फिल्मों में जैसे ही परदे पर राजकुमार के सफेद जूते दिखाई देते, दर्शक तालियों से उनका स्वागत करते। राजकुमार खुद इस तथ्य से वाकिफ थे, वे अकसर बी.आर. चोपड़ा से मजाक में कहा करते थे, 'जानी, सुना है आजकल आप हमारे जूतों की कमाई खा रहे हैं।'